डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 124 | पेज: 8 | जयपुर, शनिवार, 12 अप्रैल 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष बोले - नया मोदी पैदा करने में 1000 साल लगेंगे

- गहलोत की उम्र हो गई, उन्हें भूलने की आदत पड़ गई है; कांग्रेस फैला रही है समाज में भ्रम

जयपुर(रॉयल पत्रिका)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कांग्रेस और विपक्षी दलों पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि आज सभी दल सिर्फ एक मकसद के लिए एकजुट हो जाते हैं – बीजेपी को हराने के लिए। उन्होंने कहा कि ये सभी दल भले ही आपस में लड़ते हों, एक-दूसरे को नीचा दिखाते हों, लेकिन जैसे ही भारतीय जनता पार्टी सामने आती है, तो ये सभी आपसी मतभेद भुलाकर एक हो जाते हैं। राठौड़ ने कहा कि अगर हम इनके फैलाए भ्रम को तोड़ने में विफल हो गए, तो फिर नया नरेंद्र मोदी पैदा करने में 1000 साल लग जाएंगे और देश को उसका बड़ा खामियाजा भुगतना पड़ेगा।

प्रदेश अध्यक्ष शुक्रवार को जयपुर में आयोजित भाजपा की प्रदेश स्तरीय कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। यह कार्यक्रम अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में 'सम्मान अभियान' के अंतर्गत आयोजित किया गया।

राठौड़ ने कांग्रेस पर समाज में भ्रम फैलाने का आरोप लगाते हुए कहा कि आज कांग्रेस की राजनीति केवल झूठ और आरोपों पर आधारित रह गई है। उन्होंने कहा कि यह जरूरी हो गया है कि हम संगठित होकर कांग्रेस द्वारा फैलाए गए हर झूठ का पर्दाफाश करें और जनता के सामने सच्चाई रखें।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के हालिया बयानों पर पलटवार करते हुए राठौड़ ने कहा कि अब गहलोत जी की उम्र हो चुकी है और उन्हें भूलने की आदत पड़ गई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के कार्यकाल में ही देश के आर्थिक भगोड़े पैदा हुए, जिन्होंने देश की संपत्ति लूटी और विदेश भाग गए। मोदी सरकार लगातार प्रयास कर रही है कि उन्हें देश वापस लाया जाए, लेकिन कांग्रेस इस पर भी सवाल खड़े कर रही है।

पूर्व मुख्यमंत्री द्वारा ईआरसीपी को लेकर किए गए आरोपों पर बोलते हुए राठौड़ ने कहा कि गहलोत को इस विषय पर कुछ भी बोलने का अधिकार नहीं है। ईआरसीपी योजना की शुरुआत वर्ष 2017 में तत्कालीन मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के कार्यकाल में हुई थी। कांग्रेस ने अपने पूरे कार्यकाल में इस पर कोई काम नहीं किया। वहीं भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में भाजपा सरकार बनते ही इस योजना पर काम शुरू हुआ और परिणामस्वरूप प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में इसका शिलान्यास किया है।

कार्यक्रम के दौरान पार्टी नेतृत्व ने सामाजिक समरसता, संगठनात्मक मजबूती और विपक्ष के दुष्प्रचार का मुकाबला करने को लेकर कार्यकर्ताओं को दिशा-निर्देश दिए। राठौड़ ने यह भी कहा कि पार्टी छुआछूत या सामाजिक भेदभाव को कभी बर्दाश्त नहीं करेगी। ज्ञानदेव आहूजा से जुड़े सवाल पर उन्होंने कहा कि वह अब पार्टी में नहीं हैं और जिसने भी अनुशासनहीनता की, उस पर कार्रवाई की गई है। आहूजा को जारी नोटिस पर प्राप्त जवाब का अध्ययन करने के बाद ही पार्टी अगली कार्रवाई करेगी।

कार्यशाला में बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कर्नाटक में एक घर में मिला 500 के नोटों का जखीरा

असली-नकली करेंसी की जांच में हुआ चौंकाने वाला खुलासा

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में उत्तर कन्नड़ पुलिस के साथ अजीबोगरीब वाकया हुआ। पुलिस ने एक गोपनीय सूचना पर दांडेली के गांधीनगर इलाके में मकान के बंद किराए में छापा मारा, तो पुलिस को मौके पर 500 के नोटों का एक बड़ा जखीरा मिला। वहां पर एक नोटों की गिनती की वाली मशीन भी मिली, लेकिन अगले ही पल जब पुलिस ने इन नोटों को गौर से देखा तो पता चला कि इन पर रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की जगह पर रिवर्स बैंक ऑफ इंडिया लिखा हुआ था। नोट के नंबर के

स्थान पर जीरो अंकित था। आरबीआई गवर्नर के हस्ताक्षर भी नहीं थे। कर्नाटक पुलिस ने देखा कि इन नोटों पर लिखा हुआ था सिर्फ मूवी शूटिंग के लिए। इसके बाद पुलिस का समय आया है ये फिल्म शूटिंग में इस्तेमाल होने वाले प्रॉप्स हैं। पुलिस ने यह कार्रवाई मकान मालिक के सूचना देने पर की थी। जानकारी के अनुसार घर की मालकिन नूरजन झुंझुवाडकर ने पुलिस को बताया कि उनका किराएदार अरशद खान एक महीने से गायब है। अरशद खान गोवा में बताया जा रहा है। नूरजन ने ही पुलिस को इस बारे में जानकारी दी थी।

जमवारामगढ़ के लिए बड़ी सौगात

- राम जल सेतु योजना से लाया जाएगा पानी

जयपुर(रॉयल पत्रिका)। जयपुर। राजधानी जयपुर की जीवनरेखा रहे जमवारामगढ़ स्थित रामगढ़ बांध के पुनर्जीवन की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है। जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने शुक्रवार को बांध के जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण कार्यों का शिलान्यास किया। इस परियोजना पर कुल 2.52 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। बांध में पानी लाने से पहले उसकी संरचनात्मक मजबूती और सौंदर्यीकरण सुनिश्चित किया जाएगा।

दीपावली से पहले होगी बांध की सफाई और मरम्मत

मंत्री सुरेश रावत ने कहा कि जिस प्रकार दीपावली से पहले घरों की सफाई की जाती है, उसी प्रकार यह कार्य बांध में जल आगमन के पहले चरण का प्रतीक है। राम जल सेतु लिंक परियोजना के माध्यम से इस बांध में जल लाने की योजना है। इस परियोजना के लिए सरकार ने 1945 करोड़ रुपये का टेंडर जारी किया है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रधानमंत्री से इस योजना का शिलान्यास करवाया था, और जल आगमन के उपरांत इसका लोकार्पण मुख्यमंत्री, सांसद और विधायक मिलकर करेंगे।

पांच दशकों का इंतजार अब पांच वर्षों में होगा पूरा

जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेन्द्र सिंह ने कहा कि यह वह काम है जो पिछले पांच दशकों से अटका हुआ था। अब यह कार्य आगामी पांच वर्षों में पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार का संकल्प है कि जल स्रोतों से पानी नहरों और पाइपलाइनों के माध्यम से खेतों तक पहुंचे।

परियोजना के पूर्ण होने के पश्चात रामगढ़ बांध पर्यटन की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण स्थल के रूप में उभरेगा।

रामगढ़ झील को मिले राष्ट्रीय दर्जा: विधायक मीणा

विधायक महेंद्र पाल मीणा ने इस अवसर पर कहा कि रामगढ़ बांध क्षेत्र की आत्मा में बसता है। उन्होंने इस ऐतिहासिक जल स्रोत को "राष्ट्रीय झील" का दर्जा देने की मांग की। साथ ही दांतली, निमला और खरड़ बांधों के रिनोवेशन की भी अपील की। विधायक ने जानकारी दी कि नक्चीघाटी तक सड़क निर्माण का कार्य वन विभाग की एनओसी प्राप्त होने के बाद शुरू हो चुका है और शीघ्र ही निमला तथा डगौता की सड़कों पर भी कार्य प्रारंभ होगा। साथ ही सिंचाई विभाग का एईएन कार्यालय जमवारामगढ़ में खोलने की मांग की गई।

कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों की सहभागिता

इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष जितेंद्र शर्मा, मंडल अध्यक्ष बाबूलाल खटाना, जिला उपाध्यक्ष जगदीश नोनपुरा, मुकेश शर्मा राहोरी समेत सैकड़ों कार्यकर्ता व ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

नए वक्फ बिल कानूनों पर सुनवाई की डेट हो गई तय

- सभी चुनौती देने वाली याचिकाओं पर 16 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट करेगा सुनवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना की अध्यक्षता में उच्चतम न्यायालय के तीन न्यायाधीशों की पीठ वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर 16 अप्रैल को सुनवाई करेगी। सर्वोच्च अदालत की वेबसाइट पर इस संबंध में जानकारी दी गई है। इसमें उपलब्ध जानकारी के अनुसार जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस के.वी. विश्वनाथन भी याचिकाओं पर सुनवाई करने वाली इस पीठ में शामिल होंगे। केंद्र

सरकार ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में 'कैविएट' दायर कर मामले पर कोई भी आदेश पारित करने से पहले सुनवाई का अनुरोध किया था। 'कैविएट' किसी पक्षकार की ओर से हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में यह सुनिश्चित करने के लिए दायर की जाती है कि सुनवाई के बिना कोई आदेश पारित नहीं किया जाए।

केरल में पॉक्सो केसों की जांच अब स्पेशल पुलिस करेगी

- 304 नए पदों के साथ डेडिकेटेड विंग बनाने को मिली मंजूरी

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल में बच्चों से यौन अपराध के मामलों की जांच अब पुलिस की एक खास टीम करेगी। बुधवार को केरल सरकार की कैबिनेट ने इसके लिए एक डेडिकेटेड विंग बनाने की मंजूरी दे दी। इस स्पेशल यूनिट में कुल 304 नए पद तैयार होंगे। इनमें 4 डिप्टी एसपी और 40 सब-इंस्पेक्टर शामिल हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय से मिली जानकारी के मुताबिक, ये टीम सिर्फ पॉक्सो एक्ट के तहत दर्ज मामलों की जांच करेगी। सरकार का मकसद इन मामलों में तेजी से और सही जांच करना

है, ताकि पीड़ितों को जल्दी न्याय मिले। कैबिनेट ने अगले साल के लिए पॉलिसी भी पास कर दी है।

चुराचांदपुर में दो जनजातियों के बीच बढ़ा विवाद

मणिपुर में विवादित जगह पर सामुदायिक झंडा फहराने से तनाव

इम्फाल (एजेंसी)। मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में दो जनजातियों के बीच हुए विवाद की वजह से बुधवार को 17 अप्रैल तक कर्फ्यू लगाया गया। जोमी और हमार जनजाति के बीच मंगलवार को विवादित जगह पर अपने-अपने समुदाय के झंडे फहराने को लेकर तनाव पैदा हो गया था। यह विवादित जगह वी मुनहोइह और रेंगकाई गांवों के बीच है। वी मुनहोइह और रेंगकाई के साथ ही कांगवाई, समुलामलान

और संगाइकोट में भी कर्फ्यू लगाया गया है। हालांकि, इन इलाकों में सुबह 6 बजे से 5 बजे शाम तक कर्फ्यू में छूट दी गई है। बुधवार को कलेक्टर ने दोनों गांवों के लोगों की बैठक ली। इस दौरान दोनों समुदायों ने कहा कि यह विवाद जातीय नहीं जमीन का है। बैठक में लोगों से शांति बनाए रखने और अफवाहें न फैलाने की अपील की गई। इससे पहले दोनों जनजातियों के बीच 18 मार्च को झंडा हटाने को लेकर हिंसा हुई थी। इस हिंसा में हमार जनजाति के रोपुई पाकुमटे नामक व्यक्ति की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए थे। पिछले 16 मार्च को रविवार को अज्ञात लोगों ने हमला किया था।

दिल्ली में लैंडिंग के बाद पायलट को अटैक, मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। एयर इंडिया एक्सप्रेस के एक पायलट की मंगलवार (9 अप्रैल) को दिल्ली में कार्डियक अरेस्ट से मौत हो गई। यह घटना इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर हुई, जब पायलट श्रीनगर-दिल्ली फ्लाइट की लैंडिंग के बाद एयरपोर्ट में अन्य फॉर्मेलिटीज कर रहा था। एयरलाइन के मुताबिक, लैंडिंग के बाद पायलट

को परेशानी होना शुरू हो गई थी, थोड़ी देर बाद वह बेहोश होकर गिर गया। पायलट को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर्स ने उसे मृत घोषित कर दिया। पायलट का नाम अरमान है। अरमान की उम्र 28 साल थी और हाल ही में उसकी शादी हुई थी। साथी कर्मचारियों ने बताया कि लैंडिंग के बाद पायलट ने कॉकपिट में उल्टी की थी।

धनबाद में एनआईए की रेड मिला विस्फोटक जखीरा

- डायनामाइट-अमोनियम सहित 98 पेटी जिलेटिन मिले, 1 अरेस्ट
- 9 घंटे तक चली छापेमारी, बंगाल को तबाह करने की थी तैयारी

धनबाद (एजेंसी)। धनबाद में एनआईए की रेड में डायनामाइट, अमोनियम, 98 पेटी जिलेटिन मिले हैं। 9 घंटे तक छापेमारी चली। इसका इस्तेमाल बंगाल में सीरियल ब्लास्ट के लिए किया जा सकता था। ये सारे विस्फोटक एनआईए टीम को चिरकुडा के डूमरकुंडा बाबूडंगाल स्थित अमरजीत के घर और दुकान के साथ कालूबथान ओपी क्षेत्र के बोरिया गांव के सुनसान स्थल पर बने पोल्ट्री फॉर्म से मिले हैं। एनआईए रेड की सूचना मिलते ही चिरकुंडा निवासी

अमरजीत शर्मा उर्फ अमर रवानी फरार हो गया। टीम ने उसके भाई संजय रवानी को पकड़ा। संजय रवानी की निशानदेही पर अमरजीत के विभिन्न ठिकानों पर छापेमारी कर विस्फोटकों की बरामदगी की। टीम को 38 पेटियों में बंद जखीरा मिला है।

जेलेंस्की का दावा-रूस के लिए चीनी लड़ रहे हैं जंग

कीव (एजेंसी)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने दावा किया है कि उनकी खुफिया एजेंसी ने 155 चीनी नागरिकों की पहचान की है जो रूस की तरफ से जंग लड़ रहे हैं। यह संख्या ज्यादा भी हो सकती है। उन्होंने कहा कि पहचान में आए सभी लोगों के नाम और पासपोर्ट की जानकारी उनके पास है। जेलेंस्की ने कहा कि रूस सोशल मीडिया के जरिए चीनी नागरिकों की भर्ती कर रहा है। चीन को भी इस बात की जानकारी है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन यह जानने की कोशिश कर रहा है कि भर्ती करने वालों को बीजिंग की तरफ से निर्देश मिल रहे हैं या नहीं। इससे पहले जेलेंस्की ने मंगलवार को दावा किया था कि यूक्रेनी सेना ने रूस की तरफ से जंग लड़ रहे 2 चीनी नागरिकों को पकड़ा है। उन्होंने इससे जुड़ा वीडियो भी जड़ा किया जिसमें पकड़े गए लोगों के हाथ जिप-टाई से बंधे थे। यह पहली बार था जब यूक्रेन ने चीनी लड़ाकों को लेकर ऐसा दावा किया।

बंगाल में नौकरी गंवाने वाले शिक्षक भूख हड़ताल पर

- पुलिस पर लाठीचार्ज और लात-घूसों से पीटने का आरोप लगाया
- बीजेपी बोली-निर्दोष शिक्षकों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में शिक्षक भर्ती घोटाले में नौकरी गंवा चुके टीचर्स और नॉन टीचिंग स्टाफ ने गुरुवार को नौकरी जाने और पुलिस कार्रवाई के विरोध में भूख हड़ताल करने की घोषणा की है। बुधवार रात से ही टीचर्स भवन के कार्यालय के बाहर प्रदर्शन कर रहें है। एक शिक्षक ने कहा- भूख हड़ताल आंदोलन शुरू किया गया है और जल्द ही आगे का कार्यक्रम तैयार किया जाएगा। इससे पहले टीचर्स ने डिस्ट्रिक्ट इंसपेक्टर (डीआई) के कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया था। जहां प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर लाठीचार्ज और लात-घूसों से पीटने का आरोप लगाया था। कलकत्ता हाईकोर्ट के पूर्व जज और बीजेपी उम्मीदवार अभिजीत गंगोपाध्याय ने कहा- दूसरों की गलती के कारण अपनी नौकरी गंवाने वाले निर्दोष शिक्षकों के खिलाफ मामले दर्ज किए गए। भाजपा ऐसे शिक्षकों के साथ है। वही, 8 अप्रैल को 25 हजार 753 टीचर्स और नॉन टीचिंग स्टाफ की नियुक्ति रद्द

करने के मामले में राहुल गांधी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को चिट्ठी लिखी थी। राहुल ने राष्ट्रपति से मांग की है कि जो लोग निर्दोष हैं, उन्हें नौकरी में बने रहने देना चाहिए। उधर, सुप्रीम कोर्ट में इसी मामले में 8 अप्रैल को सुनवाई हुई थी।

कोर्ट ने स्कूल कर्मचारियों के लिए अतिरिक्त पदों को बढ़ाने को लेकर पश्चिम बंगाल कैबिनेट के फैसले की सीबीआई जांच पर रोक लगा दी थी। मामले में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 7 अप्रैल को उन शिक्षकों और स्टाफ से मुलाकात की थी, जिनकी भर्ती सुप्रीम कोर्ट ने निरस्त कर दी है। ममता बनर्जी ने कहा कि हम कोर्ट के आदेश से बंधे हुए हैं। यह फैसला उन कैंडिडेट्स के लिए अन्याय है, जो काबिल शिक्षक थे। उन्होंने कहा- आप लोग यह मत समझिए कि हमने फैसले को स्वीकार कर लिया है। हम पत्थर दिल नहीं हैं। मुझे ऐसा कहने के लिए जेल भी डाल सकते हैं, लेकिन मुझे फर्क नहीं पड़ता है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद पश्चिम बंगाल बीजेपी ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस्तीफे और जेल भेजने की मांग की है। पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष और केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार ने कहा था-शिक्षक भर्ती में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार की पूरी जिम्मेदारी मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की है।

रॉयल पत्रिका संपादकीय

तहव्वुर राणा का पत्यर्पण भारत के लिए बड़ी कानूनी और कूटनीतिक जीत

मुंबई के 26/11 आतंकी हमले के मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा का अमेरिका से प्रत्यर्पण भारत के लिए बड़ी कानूनी और कूटनीतिक जीत है। अब देश के दुश्मन को न्याय के कठघरे में खड़ा किया जा सकेगा और उन लोगों को इंसाफ मिलेगा, जिन्होंने इस आतंकी हमले में अपनों को खोया है।

रंग लाई मेहनत: मुंबई पर आतंकी हमला साल 2008 में हुआ था। 16 साल से ज्यादा वक्त बीत गया, लेकिन उसका दर्द अब भी है। वजह कि सारे दोषियों को आज तक भी उनके किए की सजा नहीं मिल सकी है। कई दोषी सीमा पार शरण लिए हुए हैं। इस लिहाज से राणा का प्रत्यर्पण बहुत बड़ी सफलता है। इसके पीछे भारत सरकार और उसके उन अफसरों की कड़ी मेहनत है, जो 2019 से ही राणा को भारत लाने के प्रयास में जुटे थे।

पाकिस्तान पर दबाव: तमाम सबूत होने के बाद भी पाकिस्तान इस हमले के पीछे अपनी कोई भूमिका होने से इनकार करता रहा है। हालांकि वह आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के प्रमुख हाफिज सईद और जकी-उर-रहमान लखवी जैसे आतंकवादी सरगनाओं को बचाता भी रहा है। राणा के माध्यम से एजेंसीज पूरा सच जान सकती हैं। इससे पाकिस्तान पर प्रेशर बनाया जा सकेगा कि वह आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई का दिखावा न करे, बल्कि हकीकत में कदम उठाए। चूंकि मुंबई अटैक में 6 अमेरिकी नागरिकों की भी जान गई थी, इसलिए इस्लामाबाद पर वॉशिंगटन का भी दबाव होगा।

भारत का बढ़ता कद: राणा ने भारत आने से बचने के लिए अमेरिकी अदालतों में तमाम दलीलें दीं। यहां तक कहा कि एक अपराध के लिए दो बार सजा नहीं दी जा सकती, लेकिन भारत ने बखूबी उसका काउंटर किया। इससे संदेश गया है कि मानवता के गुनहगार कानून को ढाल बनाकर लंबे समय तक बच नहीं सकते। अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने इस साल फरवरी में ही कह दिया था कि मुंबई आतंकी हमले के लिए राणा को भारत में न्याय का सामना करना पड़ेगा।

अभी काम बाकी: तहव्वुर राणा का प्रत्यर्पण एक बड़ी जीत है, पर पूरी नहीं। भारतीय सुरक्षा एजेंसियों का एक बड़ा काम यहां से शुरू होता है। मुंबई पर आतंकी हमले की पूरी प्लानिंग और फंडिंग के पीछे पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ISI व उसकी जमीन पर सक्रिय आतंकवादी संगठनों का हाथ था, इसमें कोई शक नहीं रह गया है। फिर भी कुछ कड़िया बाकी हैं।

वक्फ बिल पर नीतीश ने BJP का साथ क्यों दिया

- शाह ने दो टॉप लीडरों से बंद कमरे में बात की, JDU के साथ आने की 3 वजहें

अपनी छवि और राजनीति को करीने से साधने वाले नीतीश कुमार ने चुनावी साल में बोल्ड डिसीजन लिया है, जो चर्चा का विषय बन गया है। अब तक जानकारों का मानना था कि चुनावों के मद्देनजर JDU मुस्लिम वोटर्स को नाराज नहीं कर सकती, इसलिए वह ऐसा कोई मौका नहीं छोड़ती, जहां उसे मुस्लिम वोटर्स को साधने की जरूरत महसूस होती है।

बिहार में इसी साल विधानसभा चुनाव हैं। 2023 की जातीय गणना के आंकड़ों के मुताबिक, राज्य में 17.7% मुस्लिम हैं। जिनका राज्य के करीब 47 सीटों पर प्रभाव है। ऐसे में नीतीश कुमार ने वक्फ बिल पर मोदी का साथ दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो पार्टी अध्यक्ष ने अपने सांसदों को स्पष्ट संदेश दिया कि आप मुस्लिम वोटों की चिंता ना करें।

सबसे पहले जानिए, भाजपा ने नीतीश को कैसे भरोसे में लिया

बिल के मूल ड्राफ्ट में प्रावधान था कि नया कानून लागू होने के 6 महीने के अंदर एक सेंट्रल पोर्टल पर सभी वक्फ प्रॉपर्टीज का रजिस्ट्रेशन कराना जरूरी होगा। 6 महीने बाद प्रॉपर्टी को लेकर कानून के तहत कोर्ट में कोई सुनवाई नहीं की जा सकेगी। JDU के सांसद दिलेश्वर कामत ने इस प्रावधान में संशोधन का सुझाव दिया था, जिसे JPC ने स्वीकार कर लिया। अब वक्फ ट्रिब्यूनल किसी वक्फ प्रॉपर्टी के रजिस्ट्रेशन की टाइमलाइन बढ़ा सकता है। इसके लिए प्रॉपर्टी के मुतवल्ली यानी केयरटेकर को ट्रिब्यूनल के सामने इसकी उचित वजह बतानी होगी। भाजपा की टॉप लीडरशिप ने बिल के एक-एक पॉइंट को क्लियर किया। शाह ने ललन सिंह और संजय झा के साथ मीटिंग की।

सूचना है कि गृह मंत्री अमित शाह ने अपने हाल के बिहार दौरे के दौरान नीतीश कुमार से बात की। उनको समझाया कि बिल गरीब और पसमांदा मुसलमानों के पक्ष में है। वो बिल पारित होने के बाद हमारे साथ आ सकते हैं।

अब 3 पॉइंट में जानिए, आखिर ऐसा क्या हुआ कि नीतीश कुमार का मुस्लिमों से मोह भंग हो गया?

1. मुस्लिमों के लिए काम किया, लेकिन उन्होंने साथ नहीं दिया

2013 में नीतीश कुमार ने नरेंद्र मोदी के विरोध में 17 साल पुराना NDA का गठबंधन तोड़ दिया। 2014 लोकसभा चुनाव उन्होंने अपने दम पर लड़ा। उन्हें उम्मीद थी कि अपने कोर वोट बैंक के अलावा मुस्लिमों का भी साथ मिलेगा, लेकिन ये उनका भ्रम साबित हुआ। उन्होंने 38 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे, लेकिन मात्र 2 सीट ही जीत सके। इनमें एक नालंदा और एक पूर्णिया की सीट थी। बाकी 36 सीटों पर उनकी हार हो गई।JDU सूत्रों की मानें तो उसी साल से नीतीश कुमार का दिल टूट गया था। नीतीश कुमार ने वक्फ संशोधन बिल पर खुलकर सरकार को समर्थन करने की अपनी सहमति दे दी थी। उनका मानना था कि हम उनके लिए काम करते हैं, लेकिन वे हमारा सपोर्ट नहीं करते हैं।

जदयू के एक नेता ने दैनिक भास्कर को बताया कि पॉलिटिक्स करने के लिए कपड़ा जरूरी है न। ऐसे में जो पार्टी हमें पद और कद दोनों दे रही है, हम उनके एजेंडे का विरोध क्यों करें। इसलिए हमारे नेतृत्व ने इस बिल पर सपोर्ट देने का निर्णय लिया।

2. JDU मान चुकी है उसे मुस्लिम वोट नहीं मिलने वाला

JDU के एक बड़े नेता ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि नीतीश कुमार ने 2005 से लेकर अब तक बहुत प्रयास किया कि उन्हें मुस्लिम वोट मिले। 2010 तक थोड़ा बहुत सपोर्ट मिला भी। इसके बाद मुस्लिम इनसे दूर होते चले गए।

ऐसे में अब JDU की टॉप लीडरशिप ने इस बात को स्वीकार कर लिया है कि बिहार में मुस्लिम वोट एकतरफा है। ये कुछ भी कर लें, बीजेपी से अलग हो जाएं, आरजेडी के साथ आ जाएं। इन्हें मुस्लिम वोट नहीं मिलने वाला है। ऐसे में इन्होंने बीजेपी को साथ देने का निर्णय लिया।

CSDS-लोकनीति के पोस्ट-पोल सर्वे 2020 के मुताबिक, RJD और कांग्रेस के महागठबंधन को 75% मुस्लिम वोट मिले थे। वहीं, BJP और JDU वाले NDA को 5% और चिराग पासवान की पार्टी LJP (रामविलास) को 2% मुस्लिम वोट मिले।

3. कमजोर नीतीश को 2025 के लिए बीजेपी का साथ जरूरी

2020 विधानसभा चुनाव में नीतीश कुमार की पार्टी तीसरे नंबर की बन गई थी। 2005 विधानसभा चुनाव के बाद ऐसा पहली बार हो रहा था जब नीतीश कुमार को बीजेपी से भी कम सीटें हासिल हुई थीं। इसके लिए सबसे बड़ा जिम्मेदार चिराग पासवान को माना गया। 2020 के चुनाव के बाद नीतीश कुमार भले सीएम बने रहे, लेकिन उन्हें दो बार पाला बदलना पड़ा। पहले बीजेपी का साथ छोड़कर वे राजद के साथ गए। इसके बाद दोबारा वे बीजेपी के साथ आए।

बिहार में अगले 6 महीने में विधानसभा का चुनाव होना है। नीतीश कुमार की सेहत पर पहले से ही सवाल उठ रहे हैं। जदयू को बिहार में अपनी स्थिति को मजबूत रखने के लिए एक पुराने और भरोसेमंद साथी की जरूरत है। ऐसे में बीजेपी से ज्यादा भरोसेमंद उनके लिए कोई और पार्टी नहीं हो सकती है।

2015 के बाद से मुस्लिमों का नीतीश कुमार से मोहभंग

बात 2024 लोकसभा चुनाव की है। नीतीश कुमार NDA की एक मीटिंग में शामिल थे। यहां सीएम को कहना पड़ा, 'मुसलमानों को जाकर बताइए, उनके लिए सरकार ने क्या-क्या काम किया है। RJD आ गई तो दंगा फसाद करेगी।' इस बयान का संदेश साफ था। नीतीश कुमार भी ये मान चुके थे कि इस समाज का अब उनसे मोह भंग हो चुका है। 2024 के लोकसभा और 2020 के विधानसभा चुनाव के नतीजों में नीतीश कुमार की पार्टी के एक भी मुस्लिम कैंडिडेट जीतने में सफल नहीं हो पाए थे।

2015 विधानसभा चुनाव में आखिरी बार JDU से 5 मुस्लिम विधायक जीते थे। 2019 के लोकसभा चुनाव में JDU के एक भी मुस्लिम सांसद नहीं जीत पाए थे। 2020 के विधानसभा चुनाव में जदयू ने 11 मुस्लिम कैंडिडेट को मैदान में उतारा, लेकिन एक भी कैंडिडेट जीतने में सफल नहीं रहे। यही हाल 2024 के लोकसभा चुनाव में भी हुआ, जदयू के एक भी कैंडिडेट चुनाव नहीं जीत पाए।

अब जानिए, नीतीश ने मुस्लिमों के लिए क्या किया

JDU का दावा है कि 2005 में सत्ता में आने के बाद नीतीश कुमार ने मुस्लिमों की कई पुरानी डिमांड को एक-एक करके पूरा किया। पटना में हज भवन का निर्माण, अंजुमन इस्लामिया की मॉडर्न बिल्डिंग का निर्माण, मदरसा के शिक्षकों की सैलरी सरकारी स्कूल के शिक्षकों के बराबर करना, उर्दू शिक्षकों की बहाली, कब्रिस्तान की घेराबंदी या हर विधानसभा क्षेत्र में आवासीय स्कूल और छात्रावास का निर्माण, हायर एजुकेशन के लिए मुस्लिम छात्रों को स्कालरशिप जैसी कई योजनाएं 2005 से लेकर अब तक शुरू की गई हैं।

दो बार BJP से अलग स्टैंड ले चुके हैं नीतीश

1. CAA को समर्थन लेकिन NRC का विरोध

नागरिकता संशोधन अधिनियम (CAA) को समर्थन देने के बाद नीतीश कुमार की जनता दल यूनाइटेड (JDU) ने राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (NRC) का विरोध किया था। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने यह स्पष्ट कर दिया है कि बिहार में एनआरसी (NRC) लागू नहीं होगा और वे एनपीआर (NPR) पर भी विरोध दर्ज करा चुके हैं। NPR पर नीतीश यह स्पष्ट कर चुके हैं कि 2010 की तर्ज पर ही राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर तैयार होना चाहिए।

हालांकि नीतीश कुमार ने पहले सीएए (CAA) यानी नागरिकता संशोधन कानून का विरोध किया था, लेकिन बाद में लोकसभा में जेडीयू ने इस बिल का समर्थन दिया था।

2. धारा 370 हटाए जाने का भी जेडीयू ने किया था विरोध

धारा 370 हटाए जाने को लेकर भी जेडीयू के अंदर इसी प्रकार का विरोधाभास देखने को मिला था। 5 अगस्त 2019 को धारा 370 हटाए जाने को लेकर वोटिंग के दौरान जनता दल यूनाइटेड के सभी सांसदों ने दोनों सदनों से वॉकआउट कर एक प्रकार से नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा लाए गए इस बिल का विरोध ही किया था।

प्रौद्योगिकी

डॉ. मोनिका शर्मा

तकनीकी तरक्की की सकारात्मक स्थितियां

हाल ही में संयुक्त राष्ट्र ने अग्रणी प्रौद्योगिकियों को अपनाने में तत्परता के मामले में दुनियाभर के देशों की रैंकिंग जारी की है। समय के साथ विस्तार पाते तकनीकी जुड़ाव के मानस और प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल की सहजता के सकारात्मक विस्तार को सामने रखती इस सूची में भारत को शीर्ष देशों में स्थान मिला है। यूएन की यह ताज़ा रिपोर्ट बताती है कि ब्राजील, चीन, भारत और फिलीपींस ने तकनीक के लिए तत्परता दिखाने में शानदार प्रदर्शन किया है। ज्ञात हो कि प्रौद्योगिकी और नवाचार रिपोर्ट-2025 की यह रैंकिंग संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास (यूएनसीटीएडी) द्वारा जारी की गई है। ध्यातव्य है कि वैश्विक स्तर पर की गई रैंकिंग से जुड़ी फेहरिस्त में 170 देशों को शामिल किया गया था। इनमें भारत 36वें स्थान पर है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट कहती है कि हमारे देश की रैंकिंग में पिछले वर्षों की तुलना में सुधार हुआ है। तकनीकी विकास की धुरी पर दौड़ते वैश्विक परिवेश में नई और महत्वपूर्ण तकनीकों को अपनाने में तत्परता दिखाने का यह पहलू सचमुच अहम है। संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास की इस रिपोर्ट में भी कहा गया है कि विकासशील देशों को तेजी से बदल रही तकनीक और एआई के लिए तैयार रहने की आवश्यक है। डिजिटल इंडिया की मुहिम से लेकर आमजन के झुकाव तक, भारत में प्रौद्योगिकी और नवाचार को लेकर सकारात्मक परिवेश स्पष्ट दिखता है। दूरदराज के गांवों में खेती किसानी में ड्रोन के इस्तेमाल हो रहा है। बीते दिनों महाकुम्भ के आयोजन में तकनीक के उपयोग को पूरी दुनिया ने देखा है। कमोबेश हर क्षेत्र ने तकनीक से मिली सुविधाओं और बदलावों को जीवन का हिस्सा बनाया जा रहा है। स्पष्ट है कि भारत ने इस मोर्चे पर तरक्की की है। असल में इस रैंकिंग में जिन संकेतकों को आधार बनाकर यह रैंकिंग तय की गई है, उन क्षेत्रों में तो भारत ने विशेष उन्नति की है। इनमें आईसीटी परिनियोजन यानी वैश्विक स्तर पर सूचना साझा करने के लिए इंटरनेट, वायरलेस नेटवर्क एवं मीडिया एप्लिकेशन जैसे डिजिटल उपकरणों और संचार तकनीकों के इस्तेमाल, स्किल, रिसर्च एंड डेवलपमेंट एवं विकास गतिविधियां, औद्योगिक क्षमता और वित्तीय क्षेत्र तक शामिल हैं। ध्यातव्य है कि वर्ष 2022 की इस रिपोर्ट में भारत की रैंकिंग 48वीं थी। इस वर्ष हमारा देश 36वें स्थान पर है। रेखांकित करने योग्य पहलू यह है कि आईसीटी के मामले में भारत की रैंकिंग 99वीं और वित्त के मामले में 70वीं है। स्किल के मामले में हमारा देश 113वें स्थान पर हैं। वहीं रिसर्च एंड डेवलपमेंट में भारत को तीसरा और औद्योगिक क्षमता के मामले में दसवां स्थान मिला है। साथ ही एआई तकनीक के मामले में भारत को बेहतर काम करने वाला देश माना गया है। 2020 में महिलाओं में डिजिटल साक्षरता बढ़ाने के लिए उत्तर प्रदेश में 'वी थिंक डिजिटल' नाम के कार्यक्रम की शुरुआत की गई थी। फेसबुक, राष्ट्रीय महिला आयोग और साइबर पीस फाउंडेशन के साथ मिलकर इस कार्यक्रम को संचालित किया गया था। इसके अंतर्गत सात राज्यों में 1 लाख महिलाओं को डिजिटल साक्षरता का प्रशिक्षण दिए जाने की योजना थी। ऐसी बहुत सी योजनाओं और कार्यक्रमों के चलते आज तकनीक के क्षेत्र में महिलाओं का भी महत्वपूर्ण दखल है। नेशनल सेंटर फॉर वूमेन एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी की बीते साल की रिपोर्ट कहती है कि मौजूदा समय में टेक उद्योग के कार्यबल में महिलाओं की 26 प्रतिशत हिस्सेदारी है। साथ ही पिछले पांच वर्षों में तकनीक की दुनिया में महिलाओं की संख्या में 5 फीसदी की बढ़ोतरी भी हुई है। वर्ष 2022 की हुरून इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक निजी क्षेत्र की नामी-गिरामी 500 तकनीकी कंपनियों में 11.6 लाख महिलाएं कार्यरत हैं। साथ ही हमारे यहां 'स्टेम' शिक्षा में भी बेटियों को बढ़ावा भी दिया जा रहा है। 'स्टेम' का अर्थ साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग और मैथ्स विषयों से है। आंकड़े बताते हैं कि 1980 में देश में इंजीनियरिंग की सभी डिग्रियों में महिलाओं की हिस्सेदारी 2 प्रतिशत से भी कम की थी। ऐसे में तकनीकी संसार में बढ़ते महिला श्रमबल ने स्त्रियों के लिए नए मार्ग खोले हैं। विचारणीय है कि बड़ी आबादी और परम्परागत परिवेश वाले हमारे देश में बदलाव की यह दिशा यकीनन सराहनीय है। आम जीवन में भी तकनीकी सुविधाओं से मिली सहजता स्पष्ट दिखती है। हालांकि इस मामले में भारत को लंबा रास्ता तय करना है। एआई यानि आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस में निवेश के मामले में अमेरिका सबसे आगे है। विकासशील देशों में चीन दूसरे और भारत 10वें स्थान पर है।

(लेखिका वरिष्ठ स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

संपत्ति को परमार्थ में न लगाना ही असफलता

संकलित

दर्शन

संतोष सभी गुणों में सर्वोपरि है। जीवन में संतुष्टि है, तो सद्गुणों को अपनाना सहज है। जहां सद्गुणों का वास है, वहां दुर्गुणों का नाश हो ही जाता है। क्योंकि, असंतुष्टि अशांति व अवगुणों की जननी है। असंतुष्टि का कारण अप्राप्ति है, किसी न किसी इच्छा या अपेक्षा की अपूर्ति है। ईश्वरीय ज्ञान, गुण व शक्तियों की प्राप्ति, धारणा व उपार्जन से इंसान की सभी सदिच्छाओं व आवश्यकताओं की सहज पूर्ति हो जाती है। संतुष्ट आत्मा बनने का अर्थ है सदा सत्य और सदाचार के मार्ग पर चलना। संतोष द्वारा सर्व दिव्य गुणों का आह्वान होता है, जिससे सर्व अवगुणों की आहुति स्वतः हो जाती है। जीवन में अप्राप्ति या असंतुष्टि का कारण अंदर की कमियां या कमजोरियां ही हैं, जो परमात्म ज्ञान और योग साधना की प्राप्तियों से दूर हो जाती हैं। जिन्हें सर्व प्राप्तियां हैं, उसके चिह्न उनके मुख और व्यक्तित्व में प्रसन्नता के रूप में दिखाई देते हैं। आजकल लोगों के चेहरे पर सदा प्रसन्नता की झलक देखने को नहीं मिलती है। इंसान कभी प्रसन्नचित्त है तो और कभी प्रश्नचित्त बन जाता है। किसी भी परिस्थिति में हम क्यों, क्या, कैसे, कब... जैसे प्रश्नों से प्रश्नचित्त बन जाते हैं। पर कुछ लोग ऐसे भी हैं, जो सदा प्रसन्नचित्त होते हैं। उनकी किसी भी बात में प्रश्न नहीं होता है। जो प्राप्तियों से सम्पन्न होता है, उसमें हलचल नहीं होती है। जो खाली होता है, उसमें हलचल होती है। स्वयं से पूछिए कि क्या मैं सदा प्रसन्नचित्त रहता या रहती हूं? यदि प्रसन्नता कम होती है तो उसका कारण प्राप्ति की इच्छा है।

सुख-दुख आते-जाते रहेंगे पर भक्ति न छोड़ें

संकलित

प्रेरणा

महाभारत युद्ध खत्म हो गया था। कौरव सेना खत्म हो गई थी और युधिष्ठिर राजा बन गए थे। जब पांडवों के जीवन में सब ठीक हो गया, तब श्रीकृष्ण ने सोचा कि अब मुझे द्वारिका जाना चाहिए। श्रीकृष्ण ने अपनी इच्छा पांडवों को बताई, सभी भगवान को रोकना चाहते थे, लेकिन वे नहीं रुके। श्रीकृष्ण रथ पर बैठ आगे बढ़े तो सामने कुंती खड़ी थीं। रिश्ते में कुंती श्रीकृष्ण की बुआ थीं। अपनी बुआ को देखकर श्रीकृष्ण रथ से उतरे तो कुंती ने उन्हें प्रणाम किया। ये देखकर श्रीकृष्ण बोले कि आप मेरी बुआ हैं, मेरी माता की तरह हैं। मैं आपको प्रणाम करता हूं, लेकिन आज आप मुझे क्यों प्रणाम कर रही हैं? कुंती ने कहा कि कृष्ण, तुम मेरे भतीजे हो, लेकिन मैं ये भी जानती हूं कि तुम भगवान भी हो। मुझे अपना भक्त बनने दो। श्रीकृष्ण ने कहा कि ठीक है। सभी लोग भगवान से कुछ न कुछ मांगते ही हैं, आप भी कुछ मुझसे जो चाहें, वह वरदान मांग सकती हैं। कुंती ने कहा कि मुझे वरदान में दुख दे दो। वरदान में दुख की बात सुनकर श्रीकृष्ण बोले कि आप दुख क्यों चाहती हैं? आपका तो पूरा जीवन ही दुखों में बीता है। कुंती ने कहा कि दुख में तुम बहुत याद आते हो, जीवन में दुख रहेगा तो मैं तुम्हारी भक्ति करती रहूंगी। सुख के दिनों में तो मन भक्ति में लगता नहीं है। मैं हर पल तुम्हारा ही ध्यान करना चाहती हूं, इसलिए दुख मांग रही हूं। श्रीकृष्ण बोले कि ठीक है, जैसी आपकी इच्छा।

महावीर जयंती

जबलपुर में गुरुवार को महावीर जयंती के उपलक्ष्य में निकाली गई शोभायात्रा में जैन श्रद्धालु शामिल हुए।

आज की पाती

ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफार्म से उठता विश्वास

पिछले दिनों ग्रेटर नोएडा की एक शुद्ध शाकाहारी युवती का वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा था, जिसके द्वारा उसने अपने साथ घटित हुई एक गंभीर घटना का वर्णन करते हुए बताया कि नवरात्री के दौरान एक रेस्टोरेंट से स्विगी ऐप के माध्यम से वेज बिरयानी ऑर्डर किया था, लेकिन डिलीवरी के बाद उसे यह जानकर गहरा आघात लगा कि उसके पास जो बिरयानी पहुंची है, वह वेज नहीं बल्कि नॉनवेज थी। युवती ने रोते हुए सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया जो उसकी आस्था और भावनाओं पर हुए आघात को दर्शाता है। यद्यपि युवती की शिकायत पर पुलिस कार्रवाई कर रही है। प्रशासन की ओर से रेस्टोरेंट व फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा सकती है। *- रीमा शर्मा, दुर्ग*

ट्रेंड

हिंदुओं को अधिकार

1500 साल पुराने मंदिरों पर भी अगर वक्फ दावा करता है, तो क्या हिंदुओं को इतना भी अधिकार नहीं है कि वे अपना पक्ष रख सकें? नए वक्फ कानून में यह अधिकार देने का काम किया गया है।

-अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

महावीर जयंती की बधाई

भगवान महावीर की पावन जयंती की सभी श्रद्धालुओं को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं! संपूर्ण विश्व को सत्य, अहिंसा, अस्तेय, अपरिग्रह और करुणा का मार्ग दिखाने वाले भगवान महावीर जी की शिक्षाएं समूची मानवता के लिए पाथेय हैं।

-योगी आदित्यनाथ, सीएम, उप्र

कांग्रेस का रवैया छलावापूर्ण

कांग्रेस पार्टी के अहमदाबाद अधिवेशन में खासकर भाजपा के 'छद्म राष्ट्रवाद' व दलित एवं पिछड़े बहुजन-हित को लेकर प्रस्ताव छलावा व अविश्वसनीयता से ग्रस्त। इन वर्गों के आरक्षण व अन्य कल्याणकारी संवैधानिक गारंटियों को लागू करने में कांग्रेस का रवैया हमेशा छलावापूर्ण।

-मायावती, पूर्व सीएम, उप्र

जियो और जीने दो

आज जब देश और दुनियाभर में हिंसक सोच को बढ़ावा देने वाले नकारात्मक तत्व सक्रिय हैं, ऐसे में भगवान महावीर स्वामी जी का 'जियो और जीने दो' का सिद्धांत सबके लिए संजीवनी बन सकता है।

-अखिलेश यादव, सपा सांसद

करंट अफेयर

पोप फ्रांसिस से मिले महाराजा चार्ल्स और महारानी कैमिला

ब्रिटेन के महाराजा चार्ल्स तृतीय और महारानी कैमिला ने बुधवार को वेटिकन में पोप फ्रांसिस से मुलाकात की। यह भेंट शाही जोड़े की इटली यात्रा और उनके विवाह की 20वीं वर्षगांठ के अवसर पर हुई। पोप 'निमोनिया' के संक्रमण की वजह से गंभीर रूप से बीमार हो गए थे। संक्रमण से उबरने के बाद यह उनकी पहली निजी भेंट थी। वेटिकन के अनुसार, पोप ने महाराजा चार्ल्स तृतीय और महारानी कैमिला को विवाह की वर्षगांठ पर शुभकामनाएं दीं। चार्ल्स और कैमिला ने उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। बर्मिंघम पैलेस ने एक बयान में कहा 'महामहिम इस बात से बहुत प्रसन्न हैं कि उन्हें पोप से व्यक्तिगत रूप से शुभकामनाएं प्राप्त करने का अवसर मिला।' इससे पहले, बुधवार को चार्ल्स ने इटली की संसद को संबोधित किया और यूरोप में युद्ध के समय साझा मूल्यों की रक्षा के लिए ब्रिटेन और इटली के बीच मजबूत संबंधों की आवश्यकता पर बल दिया। अपने संबोधन में उन्होंने यूक्रेन को समर्थन देने, नाटो में सहयोग करने का उल्लेख किया। महाराजा चार्ल्स ने जलवायु परिवर्तन पर भी अपनी बात रखी और आगाह करते हुए कहा कि वह 16 वर्ष पहले दिए गए अपने ही भाषण की चेतावनियों को आज सच होता देख रहे हैं।

ऑफ बीट

महासागर पहले कभी हरे रंग के हुआ करते थे

महासागर धरती के करीब तीन चौथाई हिस्से पर फैले हैं जिससे यह ग्रह आकाश से हल्के नीले रंग का दिखता है। लेकिन 'नेचर पत्रिका' में प्रकाशित एक अध्ययन रिपोर्ट में जापानी शोधकर्ताओं ने यह दावा किया है कि पृथ्वी के महासागर कभी हरे हुआ करते थे। प्राचीन काल में पृथ्वी के महासागरों के अलग रंग में दिखने का संबंध उनके रसायन विज्ञान और प्रकाश संश्लेषण के विकास से है। भूविज्ञान के स्नातक छात्र के रूप में, मुझे ग्रह के इतिहास को रिकॉर्ड करने के लिहाज से 'बैंडेड आयरन' संरचना के रूप में जाने जाने वाले एक प्रकार के 'चट्टानी जमाव' के महत्व के बारे में पढ़ाया गया था। 'बैंडेड आयरन' संरचना का जमाव आर्कियन और पैलियोप्रोटेरोजोइक युग में लगभग 3.8 से 1.8 अरब साल पहले हुआ था। उस समय जीवन महासागरों में एक कोशिका वाले जीवों तक ही सीमित था। महाद्वीप ग्रे, भूरे और काले रंग की चट्टानों और जमा तलछटों का एक बंजर परिदृश्य था। महाद्वीपीय चट्टानों पर गिरने वाली बारिश की बूंदों से उसमें विद्यमान लोहा घुलकर नदियों के जरिये महासागरों में पहुंच गया। लोहे के अन्य स्रोत समुद्र तल पर ज्वालामुखी थे। यह लोहा (आयरन) बाद में महत्वपूर्ण हो गया होगा।

रॉयल पत्रिका

महात्मा ज्योतिबा फुले की 198वीं जयंती पर समारोह

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि महान शिक्षाविद् समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले ने अपना पूरा जीवन शोषित, वंचित और पिछड़े वर्गों के उत्थान के लिए समर्पित किया। उन्होंने नारी शिक्षा, किसानों के अधिकार और सामाजिक न्याय के लिए अलख जगाई। उन्होंने कहा कि ज्योतिबा फुले जी के दिखाए रास्ते पर चलते हुए राज्य सरकार राजस्थान को कृषक-कल्याणकारी राज्य बनाने के लिए कृतसंकल्पित है।

महात्मा ज्योतिबा फुले को श्रद्धासुमन अर्पित कर किया नमन—

इससे पहले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा महात्मा ज्योतिबा फुले की 198वीं जयंती के अवसर पर सहकार मार्ग स्थित महात्मा ज्योतिबा फुले की प्रतिमा पर पहुंचे। यहां उन्होंने महात्मा फुले की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस दौरान उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत, विधायक गोपाल शर्मा भी उपस्थित रहे।

शर्मा शुक्रवार को मुहाना मंडी परिसर में ज्योतिबा फुले की 198वीं जयंती पर आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह केवल एक जयंती समारोह नहीं बल्कि उनके द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है। ज्योतिबा फुले जी ने भारतीय समाज को एक नई दिशा दी, अंधेरे में प्रकाश का दीप जलाया और उत्पीड़ित वर्गों को सम्मान व समानता का अधिकार दिलाने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। उनकी सोच केवल एक समय की नहीं थी, बल्कि वह विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं।

ज्योतिबा फुले ने शिक्षा के क्षेत्र में जगाई अलख—

मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा से ही अज्ञानता के अंधेरे को मिटाया जा सकता है और समाज को सशक्त बनाया जा सकता है। ज्योतिबा ने शिक्षा के क्षेत्र में अलख जगाते हुए अपनी पत्नी सावित्रीबाई फुले जी के साथ मिलकर पुणे में लड़कियों के लिए पहला स्कूल शुरू किया। सावित्रीबाई फुले भारत की पहली महिला शिक्षिका के रूप में इतिहास में दर्ज हुईं। शर्मा ने कहा कि उन्होंने सत्यशोधक समाज की स्थापना कर समाज में फैली जातिगत असमानता को दूर करने, सत्य की खोज और मानवता की सेवा का संदेश दिया।

गरीब, युवा, महिला और किसान का उत्थान हमारी प्राथमिकता—

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन को आधार मानकर चार जातियां- गरीब, युवा, महिला और किसानों का उत्थान सुनिश्चित कर रही है। राज्य सरकार ने इसी बजट में 5 हजार गांवों को बीपीएल मुक्त करने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि सरकारी नौकरी में पारदर्शिता तथा पेपरलीक के आरोपियों पर सख्त कार्रवाई से युवाओं को राहत दी गई है। हम किसानों को पानी, ऋण वितरण तथा उन्नत तकनीकों के माध्यम से सशक्त कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी डबल इंजन की सरकार ने जो भी वादे किए हैं हम उनको पूरा करेंगे।

अन्नदाता किसानों के उत्थान के लिए राज्य सरकार ने लिए कई निर्णय—

मुख्यमंत्री ने कहा कि ज्योतिबा फुले के आदर्शों को आत्मसात करते हुए राज्य सरकार ने फल-सब्जी व्यापारियों और बागवानी करने वाले किसानों के उत्थान के लिए कई ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं जिनका लाभ आने वाले वर्षों तक प्रदेश को मिलेगा।

उन्होंने कहा कि हम प्रदेश में नई कृषि मंडियों की स्थापना से किसानों को उपज का उचित मूल्य दिलाने और स्थानीय स्तर पर विपणन की सुविधा देने का कार्य कर रहे हैं। साथ ही, जयपुर के जमवारामगढ़ में फूल मंडी, जहाजपुर और शाहपुरा नगर पालिका में फल एवं सब्जी मंडी सहित राज्यभर में विभिन्न मंडियों का निर्माण, प्याज भंडारण संरचना निर्माण हेतु 2,500 किसानों को 22 करोड़ रुपये की सब्सिडी, 3 हजार प्याज भंडारगृहों के निर्माण हेतु 26 करोड़ रुपये का अनुदान सहित विभिन्न कार्य राज्य सरकार द्वारा कराए जा रहे हैं।

किसानों को तकनीकी रूप से बना रहे सशक्त—

शर्मा ने कहा कि हमारा लक्ष्य केवल मंडियों तक सीमित नहीं है, बल्कि हम किसानों को तकनीकी रूप से भी सशक्त बनाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि किसानों की क्षमता वृद्धि और ज्ञानवर्धन के लिए नॉलेज प्रोग्राम के तहत प्रथम चरण में 100 प्रगतिशील युवा किसानों को इजरायल सहित अन्य देशों में और 5 हजार युवाओं को भारत के विभिन्न राज्यों में प्रशिक्षण के लिए भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि 10 एग्रो क्लाइमेटिक जोन में 2-2 क्लस्टर विकसित करना, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की संख्या को बढ़ाकर 18 करने जैसे कार्यों से राज्य सरकार किसानों को कौशल प्रशिक्षण देकर तकनीकी रूप से उन्नत कर रही है।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने आमजन से आत्मीयता से संवाद किया। समारोह में सांसद डॉ. मंजू शर्मा, विधायक कैलाश वर्मा, उप महापौर पुनीत कर्णावट, पूर्व मंत्री प्रभुलाल सैनी सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में आमजन मौजूद रहे।

मनिहार विकास समिति की नवगठित कार्यकारणी गठित

-इस्लामुद्दीन खान अध्यक्ष हाजी इकरामुद्दीन सचिव निर्वाचित

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। मनिहार विकास समिति के 5 अप्रैल 2025 को दिवार्षिक चुनाव संपन्न हुए जिसमें रिटायर्ड चीफ इंजीनियर आईडी खान अध्यक्ष एवं हाजी इकरामुद्दीन सचिव सर्वसम्मति से चुने गए। कार्यकारिणी के दूसरे पदाधिकारीयों एवं सदस्यों का चुनाव भी सभी समाज बंधुओ की सहमति से किया गया। इस्लामुद्दीन खान लगातार दूसरी बार समाज के अध्यक्ष चुने गए हैं। नवनिर्वाचित अध्यक्ष इस्लामुद्दीन खान राजस्थान सरकार के जलदाय विभाग में चीफ इंजीनियर के पद से रिटायर्ड हुए हैं।

इस्लामुद्दीन खान ने समाज के शिक्षा के स्तर के उच्च स्तर पर ले जाने के लिए सीकर में हॉस्टल बनाने की पहल की थी। उन्होंने हॉस्टल बनाने के वायदे को पूरा करने के लिए समाज के कर्मठ और समाज को समर्पित लोगों की टीम बनाई और मात्र एक वर्ष में समाज के छात्रों के लिए तीन मंजिला हॉस्टल बनकर तैयार कर दिया। हॉस्टल में छात्रों का एडमिशन शुरू हो गया है।

दूसरी तरफ दूसरी बार अध्यक्ष बनने पर अध्यक्ष इस्लामुद्दीन खान के नेतृत्व ने मनिहार विकास समिति में समाज सुधार के लिए कुछ महत्वपूर्ण फैसले लिए जिसमें किसी के इंतकाल में बड़े खाने पर पाबंदी लगाने और निकट संबंधियों को और मदरसे के 10 11 बच्चों को बुलाकर कुरान खानी करवाने पर भी गुजारिश की।

समाज की बैठक सीकर में मनिहार विकास समिति द्वारा संचालित हॉस्टल में हुई और जिसमें निर्वाचित संपूर्ण कार्यकारिणी इस प्रकार है –

"संरक्षक"- 1. हाजी बदरूदीन- खेड़ी राड़ान 2. हाजी ईस्माइल कुरैशी-नीमकाथाना

1. इस्लामुद्दीन ख़ान - अध्यक्ष 2. हाजी इकरामुद्दीन सैयद – सचिव 3. एडवोकेट मो. हनीफ़ - उपाध्यक्ष 4. हाजी रसूल बक्श - उपाध्यक्ष 5. हाजी रफीक मोहम्मद - उपाध्यक्ष 6. जमील कुरैशी - संयुक्त सचिव 7. मोहम्मद इक़बाल - उप सचिव 8. हाजी नानू ख़ान - कोषाध्यक्ष 9. इब्राहिम ख़ान - उपकोषाध्यक्ष 10. हाजी सदीक मोहम्मद- मुख्य प्रवक्ता 11. अजीज मोहम्मद सैयद -आई.टी. / प्रवक्ता 12. एड.सदीक मोहम्मद- सलाहकार 13. हाजी जाकीर मोहम्मद- संगठन मंत्री (जयपुर) 14. अजीज मोहम्मद टीटनवाड़- संगठन मंत्री 15. हाजी यासीन अली- संगठन मंत्री 16. जब्बार ख़ान- संगठन मंत्री (गंगानगर ब्लाक) 17. रफीक मोहम्मद- संगठन मंत्री 18. सिकंदर अली सैयद- शिक्षा प्रकोष्ठ प्रभारी

सदस्य -

1. हाजी फजलुर्रहमान जयपुर 2. रफीक शेख सी.आई. जयपुर 3. हाजी मोहम्मद मुस्तफा जयपुर 4. हाजी निजामुद्दीन खण्डेला 5. सिराज खान मुकन्दगढ 6. अब्दुल हमिद जयपुर 7. शमसेर खान सुल्ताना 8. नजीर मोहम्मद चौमू 9. गुलाब खान पचलंगी 10. इकबाल मोहम्मद सुदरपुरा 11. अकबर अली नंगली सलेदीसिंह 12. मुमताज अली चनाना 13. तोफीक मोहम्मद गुढागोड़जी 14. सरवर खान जाखल 15. सलीम मोहम्मद उदयपुरवाटी 16. यूनुस अली उदयपुरवाटी 17. हबीब मोहम्मद नवलगढ

रामगढ़ बांध के विभिन्न मरम्मत एवं सौंदर्यीकरण के कार्यों का शिलान्यास

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने शुक्रवार को रामगढ़ बांध के विभिन्न मरम्मत एवं सौंदर्यीकरण के कार्यों का शिलान्यास किया। इस अवसर पर जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेंद्र सिंह भी बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। बजट घोषणा वर्ष 2024-25 के तहत 252.93 लाख रुपये के इन कार्यों को आगामी 12 माह मे पूर्ण किया जाना प्रस्तावित है।

इस दौरान रावत ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशानुरूप प्रदेश सरकार 'विकास के साथ विरासत के संरक्षण' को केंद्र मे रखकर कार्य कर रही है। इसी क्रम में आज ऐतिहासिक रामगढ़ बांध को पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास किया गया है। उन्होंने कहा कि राजस्थान की महत्वाकांक्षी रामजल सेतु लिंक परियोजना से रामगढ़ बांध में पानी लाया जाएगा, जिसके लिए बांध की मरम्मत व विभिन्न निर्माण कार्य पहले ही करवाए जा रहे हैं।

जल संसाधन मंत्री ने विभाग के अधिकारियों को इन कार्यों को निर्धारित समय सीमा मे एवं गुणवत्तापूर्ण रूप से पूरे करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार रामगढ़ बांध को पुनर्जीवित करने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी तथा इस विरासत की उपयोगिता एवं महत्व को देखते हुये सतत् निगरानी के साथ इसका संरक्षण भी करेगी।

रावत ने कहा कि मुख्यमंत्री शर्मा के कुशल नेतृत्व में वर्तमान सरकार ने कुछ ही समय में रामजल सेतु लिंक परियोजना को धरातल पर उतार दिया है। परियोजना के प्रथम चरण के टेंडर किए जा चुके है एवं द्वितीय चरण के प्रक्रियाधीन हैं। उन्होंने कहा कि चरणबद्ध रूप से इस परियोजना को पूरा किया जाएगा।

इससे पूर्व जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेंद्र सिंह ने कहा कि राजस्थान लंबे अरसे से पानी की समुचित आपूर्ति के लिए संघर्ष कर रहा है। कई परियोजनाओं द्वारा इस समस्या के समाधान के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के प्रयासों से अब यह संभव हो रहा है। राजस्थान की विभिन्न जल परियोजनाएं राष्ट्रीय परियोजनाओं मे शामिल हुई हैं जिससे केंद्र सरकार से आर्थिक सहायता प्राप्त हो रही है।

सिंह ने कहा कि लंबे समय से रामगढ़ बांध के पुनरोद्धार के कार्य क्षेत्रवासियों कि आवश्यक मांग रही है। आज इन कार्यों का शिलान्यास रामगढ़ में किसानों, पशुपालकों और ग्रामीणों को पानी की समस्या से निजात दिलाने मे मील का पत्थर साबित होगा। यह परियोजना आने वाले वर्षों में रामगढ़ क्षेत्र के साथ समूचे प्रदेश के समग्र विकास की नींव रखेगी।

जमवारामगढ़ विधायक महेन्द्र पाल मीना ने रामगढ़ बांध के मरम्मत एवं सौंदर्यीकरण के कार्यों की सौगात देने के लिए जल संसाधन मंत्री तथा जयपुर ग्रामीण सांसद का आभार व्यक्त किया।

उल्लेखनीय है कि शिलान्यास कार्यों के तहत रामगढ़ बांध की पाल पर क्षतिग्रस्त सड़क की मरम्मत, पैरापेट वॉल का निर्माण, कंट्रोल रूम के क्षतिग्रस्त भवन एवं बांध के डूब क्षेत्र की तरफ सीढ़ियों, छतरी के मरम्मत एवं सौंदर्यीकरण के कार्य और पाल पर पत्थर की पिचिंग के कार्य करवाए जायेंगे।

कार्यक्रम में देवी सिंह बेनीवाल अतिरिक्त मुख्य अभियंता जयपुर संभाग, रमाशंकर शर्मा अधीक्षण अभियन्ता वृत्त जयपुर, अनिल थालोर अधिशाषी अभियंता जयपुर, रवि खोलिया सहायक अभियंता रामगढ़ सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि और स्थानीय निवासी उपस्थित रहे।

'विकसित भारत और विकसित राजस्थान' की दिशा में सभी को मिलकर सार्थक प्रयास करने होंगे

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आज़ादी की 100वीं वर्षगांठ पर विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए सभी लोगों का सहयोग आवश्यक है। 'विकसित भारत और विकसित राजस्थान' की दिशा में सभी को मिलकर सार्थक प्रयास करने होंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में 'आपणो अग्रणी राजस्थान' के संकल्प के साथ राज्य सरकार शहरी व ग्रामीण विकास, सड़क, शिक्षा व चिकित्सा, पेयजल बिजली के क्षेत्र में विकास कार्यों के नये आयाम स्थापित कर रही है। पेपर लीक पर लगाम लगने से युवाओं के परिवारों में खुशियां आई है।

खर्रा शुक्रवार को टोंक जिले की नगर पालिका निवाई में श्यामा प्रसाद मुखर्जी सामुदायिक भवन प्रथम व द्वितीय के भव्य लोकार्पण समारोह में संबोधित कर रहे थे। नगरीय विकास मंत्री ने कहा कि निश्चित रूप से निवाई नगर पालिका के जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने जनभावनाओं के अनुरूप कार्य किया है। इसका लाभ यहां के लोगों को मिलेगा। उन्होंने कहा कि नगर पालिका निवाई द्वारा जो भी कार्य विभाग स्तर पर अप्रूवल के लिए भेजे गए हैं, उन्हें भी शीघ्र ही स्वीकृति देकर विकास कार्य शुरू कराएं जाएंगे। खर्रा ने कहा कि राज्य सरकार ने पहले ही साल में राइजिंग राजस्थान के माध्यम से उद्यमियों के साथ 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू कर निवेश की आधारशीला रखी है। इनमें से 3 लाख करोड़ रुपये के निवेश पर कार्य शुरू हो गया है। राजस्थान की आर्थिक प्रगति में यह निवेश मील का पत्थर साबित होंगे।

समारोह में मौजूद जलदाय मंत्री कन्हैया लाल चौधरी ने कहा कि डबल इंजन की सरकार प्रदेश के विकास में कोई कमी नहीं रखेगी। राज्य सरकार ने जनहित की घोषणाओं को धरातल पर उतारकर लोगों को राहत प्रदान की है। चौधरी ने कहा कि जल जीवन मिशन के कामों को शीघ्र पूरा करने के लिए विभाग द्वारा निरंतर हर जिले की प्रगति की मॉनिटरिंग की जा रही है। भ्रष्टाचार किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि उपखंड निवाई के ग्रामीण क्षेत्र के 88 गांवों में जल जीवन मिशन के काम के लिए 170 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए है। इसी माह में वर्क ऑर्डर देकर कार्य शुरू हो जाएंगे। साथ ही, पेयजल कार्यों के लिए शहरी क्षेत्र में 54 करोड़ रुपये एवं वनस्थली में 8 करोड़ रुपये के कामों की स्वीकृति दे दी गई है। चौधरी ने सामुदायिक भवन के निर्माण पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इससे कम आय वर्ग वाले लोगों को अपने सामाजिक कार्यों को करने में सुगमता होगी तथा आर्थिक भार भी ज्यादा नहीं आएगा।

मुख्य सचिव की जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। मुख्य सचिव सुधांश पंत ने कहा कि अधिकारी पूर्ण निष्ठा एवं ईमानदारी से कार्य करते हुए जनता को सुशासन का अहसास कराएं। आमजन की समस्याओं का तत्काल निस्तारण करें ताकि उन्हें महसूस हो कि सरकार और प्रशासन हर परिस्थिति में उनके साथ है और राहत देने के लिए तत्पर है। मुख्य सचिव शुक्रवार को दौसा कलक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ सुशासन के लिए किए जा रहे प्रयासों एवं विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा कर रहे थे।

मुख्य सचिव सुधांश पंत ने पेयजल व्यवस्था की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कहा कि पानी के लिहाज से अगले ढाई महीने काफी क्रिटिकल है। इसलिए गर्मी के मौसम में पेयजल और बिजली की सप्लाई सुचारू रखें ताकि आमजन को कोई समस्या नहीं हो। उन्होंने समर कंटिजेंसी प्लान को तुरंत स्वीकृत कराकर काम शुरु करने के निर्देश दिए। पानी की चोरी रोकने के लिए चल रहे अभियान में प्रशासन एवं पुलिस का सहयोग लेकर ठोस कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने ईसरदा पेयजल प्रोजेक्ट का कार्य मानकों के अनुरूप गुणवत्तायुक्त करते हुए समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने ई-फाइल सिस्टम की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को फाइल निस्तारण के औसत समय में सुधार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समय पर फाइल का निस्तारण होने से ही प्रशासनिक व्यवस्था में सुधार झलकेगा और लोगों को समय पर राहत मिल सकेगी। उन्होंने राजस्थान सम्पर्क पर परिवादों के निस्तारण की प्रगति को लेकर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि सम्पर्क पोर्टल पर दर्ज होने वाले प्रकरणों का औसत निस्तारण समय 25 दिवस से घटाकर 10 दिन करना उल्लेखनीय है।

'राइजिंग राजस्थान' के दौरान हुए एमओयू की प्रगति की समीक्षा करते हुए मुख्य सचिव ने सभी संबंधित विभागों को निवेशकों को हरसंभव सहयोग करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निवेशकों को किसी भी स्तर पर कोई बाधा का सामना नहीं करना पड़े।

मुख्य सचिव ने मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना की क्रियान्विति की समीक्षा करते हुए आयुष्मान कार्डों का शत प्रतिशत वितरण करने के निर्देश दिए।

उन्होंने प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन (PM-ABHIM) के कार्य शीघ्र पूरे करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले की चिकित्सा सेवाओं की स्थिति की समीक्षा की और हीट वेव के दौरान विशेष सतर्कता बरतते हुए कारगर चिकित्सा सुविधा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान 2.0 के कार्य बरसात के मौसम से पहले पूर्ण कराने तथा 'हरियालो राजस्थान' और 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान में पौधे लगाने की तैयारी शुरु करने के निर्देश दिए। उन्होंने भूमि कनवर्जन एवं म्यूटेशन प्रकरणों का निस्तारण राज्य सरकार की ओर से निर्धारित समय सीमा में करने के निर्देश दिए। उन्होंने बजट घोषणाओं की क्रियान्विति के लिए भूमि आवंटन तथा आधारभूत संरचनाओं के लिए भूमि अवाप्ति के प्रकरणों की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने जिले में अपराधों की स्थिति और उनके रोकथाम के लिए की जा रही कार्रवाई की समीक्षा करते हुए कहा कि महिलाओं के खिलाफ अपराध, अवैध ड्रग्स, अवैध शराब एवं अवैध खनन जैसे मामलों को लेकर राज्य सरकार विशेष संवेदनशील एवं गंभीर है। ऐसे अपराधों की रोकथाम के लिए खास सतर्कता बरतें और ठोस कार्रवाई करते हुए अपराधों में कमी लाएं। उन्होंने मिलावटी खाद्य सामग्री की आपूर्ति रोकने और आमजन को शुद्ध सामग्री उपलब्ध कराने के लिए अधिकारियों को फील्ड में निरन्तर मॉनिटरिंग कर कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

जिला कलक्टर देवेन्द्र कुमार ने कहा कि ई-फाइल निस्तारण के औसत समय में सुधार, बिजली-पानी की नियमित आपूर्ति, स्वास्थ्य सेवाओं की समुचित उपलब्धता सहित मुख्य सचिव की ओर से दिए गए सभी निर्देशों की पूर्ण पालना कर आमजन को राहत प्रदान की जाएगी।

बैठक में पुलिस अधीक्षक सागर, जिला परिषद् के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नरेन्द्र कुमार मीणा, अतिरिक्त जिला कलक्टर रामस्वरूप चौहान, अतिरिक्त जिला कलक्टर लालसोट मनमोहन मीणा, उपखण्ड अधिकारी मूलचंद लूणिया, नगर परिषद् आयुक्त कमलेश मीणा सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

संसदीय कार्य मंत्री ने नंदवान में सड़क निर्माण कार्य का किया शिलान्यास

-प्रदेश के सड़क तंत्र के लिए 7 हजार 690 करोड़ रुपये का बजट आवंटित

जयपुर,(रॉयल पत्रिका)। संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने शुक्रवार को जोधपुर की ग्राम पंचायत नंदवान (लूणी) में 86 लाख रूपये की लागत से नंदवान से चावड़ों की ढाणी सड़क निर्माण कार्य का विधिवत शिलान्यास किया।

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में प्रदेश सरकार सड़क तंत्र के सुदृढ़ीकरण के लिए कृत संकल्पित होकर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा प्रदेश सरकार ने बजट में सड़क तंत्र के सुदृढ़ीकरण एवं उन्नयन के लिए 7 हजार 690 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया है। पटेल ने कहा प्राथमिकता के आधार पर क्रमिक रूप से क्षेत्र की सभी सड़कों का निर्माण करवाया जा रहा है। उन्होंने कहा सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा नंदवान से चावड़ों की ढाणी तक 5.15 किमी सड़क का निर्माण तय समयावधि में पूर्ण कर लोकार्पण किया जाएगा।

प्रदेश में हर घर तक पहुंचेगा नल से जल:-

पटेल ने कहा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के अथक प्रयासों के बदौलत जल जीवन मिशन की समयावधि वर्ष 2028 बढ़ाई गई है, जिससे प्रदेश में हर घर तक नल से जल पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि बजट घोषणा के अनुरूप इस वर्ष में 20 लाख घरों में पेयजल कनेक्शन दिए जाएंगे।

मुख्यमंत्री जल जीवन मिशन (शहरी) के तहत भी होंगे कार्य:-

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा बजट घोषणा के अनुरूप ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल सुविधा के लिए 425 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से विभिन्न कार्य करवाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जल जीवन मिशन (शहरी) के तहत चरणबद्ध रूप से 5 हजार 830 करोड़ रुपये के कार्य करवाए जाएंगे।

समर कंटिंजेंसी के तहत प्रत्येक जिले को 1 करोड़ फंड:-

पटेल ने कहा प्रदेश में ग्रीष्म ऋतु को ध्यान में रखकर इस वर्ष 2 हजार 500 हैंडपम्प लगाए जाएंगे और पेयजल सम्बन्धी समस्या का तत्काल निराकरण के लिए प्रत्येक जिला कलक्टर को समर कंटिंजेंसी के अन्तर्गत एक करोड़ रुपये का अनटाइड फंड भी उपलब्ध करवाया गया है।

जल का मितव्ययता के साथ करें उपयोग:-

पटेल ने कहा क्षेत्र में समुचित जलापूर्ति सुनिश्चित करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने आमजन से आह्वान करते हुए कहा जल संसाधन सीमित है। इसका उपयोग मितव्ययता के साथ करें और जल को व्यर्थ नहीं बहाएं।

क्षेत्र का विद्त तंत्र का हो रहा मजबूत:-

पटेल ने कहा कि क्षेत्र में विद्त तंत्र के सुदृढ़ीकरण के लिए 132 केवी के 2 और 33 केवी एक जीएसएस का निर्माण करवाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जीएसएस निर्माण एवं आरडीएसएस योजना का कार्य पूर्ण होने पर क्षेत्र में बिजली आपूर्ति की समस्या का स्थाई समाधान सुनिश्चित होगा।

भारत निर्वाचन आयोग के जमीनी स्तर तक व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम ने गति पकड़ी

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। भारत निर्वाचन आयोग ने देश भर में जमीनी स्तर तक चुनाव प्रक्रिया से जुड़े अधिकारियों की क्षमता वृद्धि के लिए उन्हें प्रशिक्षित करने के व्यापक अभियान की शुरुआत कर दी है। इस क्रम में आयोग के प्रशिक्षण संस्थान इंडिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेसी एंड इलेक्शन मैनेजमेंट (आईआईआईडीईएम), नई दिल्ली में पश्चिम बंगाल के 231 चुनाव अधिकारियों के लिए दो दिवसीय राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम बुधवार को आरम्भ हुआ। बंगाल के 2 जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ), 12 निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ) और 217 बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) के साथ शुरू हुई यह पहल जमीनी स्तर के चुनाव अधिकारियों की व्यापक प्रशिक्षण योजना का हिस्सा है। आयोग ने इसकी परिकल्पना 4 मार्च को आयोजित मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) के सम्मेलन के दौरान की थी।

आयोग ने बुधवार को ही सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के निर्वाचन विभागों के मीडिया नोडल अधिकारियों, सोशल मीडिया नोडल अधिकारियों और जिला जनसंपर्क अधिकारियों के लिए एक दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम भी आयोजित किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बदलते मीडिया परिदृश्य में चुनाव अधिकारियों के समन्वय और तैयारियों को बढ़ाना है। राजस्थान के तीन अधिकारियों सहित 28 राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों के मीडिया अधिकारियों ने कार्यक्रम में भाग लिया। प्रतिभागी अधिकारियों को सक्रिय रहकर सही सूचनाओं का प्रसार सुनिश्चित करने, गलत सूचना का मुकाबला करने और विभिन्न मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से मतदाता जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए एक प्रभावी संचार रणनीति विकसित करने के बारे में जानकारी दी गई। अधिकारियों को देश के संवैधानिक और कानूनी ढांचे अर्थात यानी जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 और 1951; मतदाता पंजीकरण नियम 1960; चुनाव संचालन नियम 1961 और समय-समय पर आयोग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार कार्य करने के लिए निर्देशित किया गया।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने चुनावी प्रक्रिया में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में कहा कि डिजिटल सूचनाओं के वर्तमान दौर में चुनावी प्रक्रियाओं में मतदाताओं के विश्वास को बनाए रखने के लिए जरूरी है कि सही समय पर तथ्यात्मक और पारदर्शी तरीके से सूचनाओं का आदान-प्रदान हो। उन्होंने रेखांकित किया कि मीडिया अधिकारियों को सटीक जानकारी संप्रेषित करने के लिए सक्रिय रहना चाहिए और मतदाताओं को सही ढंग से सूचित करने की चुनौती को स्वीकार करना चाहिए। यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि चुनाव से जुड़ी सभी जानकारियां सुस्पष्ट और तथ्यात्मक हों तथा आधारहीन कथनों को दुरुस्त करने में सक्षम हों।

गिट्स के 13 विद्यार्थियों का देश के नम्बर 01 सीमेंट कम्पनी अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड में चयन

उदयपुर, (रॉयल पत्रिका)। गीतांजली इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्निकल स्टडीज (गिट्स) के बी.टेक. सिविल इन्जिनियरिंग विभाग के 2025 बैच के 13 विद्यार्थियों का चयन केमिस्ट इन्जिनियर ट्रेनी एवं एप्लीकेशन इन्जिनियर ट्रेनी के पद पर हुआ। संस्थान के निदेशक डॉ. एस.एम. प्रसन्नाकुमार ने बताया कि अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड भारतीय मल्टीनेशनल कम्पनी हैं। जो ग्रे सीमेंट, रेडी मिक्स कंकरीट और सफेद सीमेंट की सबसे बडी निर्माता है। जो विश्व में 5वीं सबसे बडी सीमेंट निर्माता कम्पनी हैं। यह कम्पनी 23000 से ज्यादा कर्मचारियों के साथ 152.70 मिलियन टन प्रति वर्ष के हिसाब से सीमेंट का उत्पादन कर देश सेवा में अपना योगदान प्रदान कर रही है।

संस्थान के ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेन्ट हैड डॉ. अरविन्द सिंह पेमावत ने बताया कि इस कैम्पस इन्टरव्यु के लिए कम्पनी से पधारे ऑफिसियल्स ने लिखित परीक्षा, टेक्नीकल इन्टरव्यू एवं एच. आर. के माध्यम से बी.टेक सिविल इन्जिनियरिंग ब्रान्च के विद्यार्थी पंकज सिंह धामी, मितल सोनी, नितिन दाधीच, संजय गुर्जर, मनीष कुमार, सुजल कैथवास, बलवीर मोदी, दीपक कुमार, दिपेश सुथार, दुर्गा शर्मा, हर्ष शर्मा, सुजल खत्री और अंकित कुमार ठाकुर का केमिस्ट इन्जिनियर ट्रेनी एवं एप्लीकेशन इन्जिनियर ट्रेनी के पद पर चयन हुआ है। वित्त नियंत्रक बी. एल. जांगिड़ एवं डॉ. मनीष वर्मा ने चयनित विद्यार्थी के स्वर्णिम भविष्य की कामना की।

छात्राध्यापिकाओं की फेयरवेल्स पार्टी 'शुभ भावना 2025' का आयोजन

-मिस फेयरवेल ज्योति, मिस ब्राइट निशा और मिस ग्लोरियस निकिता बनी

लाडनूं, (रॉयल पत्रिका)। जैन विश्वभारती संस्थान के आचार्य महाश्रमण ऑडिटोरियम में शिक्षा विभाग की ओर से अंतिम वर्ष की छात्राध्यापिकाओं के लिए 'शुभ-भावना 2025' के रूप में फेयरवेल्स पार्टी का आयोजन किया गया। विभागाध्यक्ष प्रो. बीएल जैन की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी थे एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो. रेखा तिवाड़ी व प्रो. जिनेन्द्र जैन थे। समारोह में, छात्राओं ने अपने भविष्य की योजनाओं के बारे में भी चर्चा की और एक दूसरे को शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में विभाग की छात्राओं ने अपनी अद्भुत प्रस्तुतियां दीं, जिसमें नृत्य, गायन और वादन आदि संबंधित सभी कार्यक्रम शामिल थे। इनमें विद्यार्थियों ने अपनी भावनाएं व्यक्त कीं और विद्यालय के अपने अनुभवों को साझा किया।

मिस फेयरवेल ज्योति, मिस ब्राइट निशा और मिस ग्लोरियस निकिता बनी:-

कार्यक्रम में 'मिस फेयरवेल' का खिताब ज्योति फुलवारिया को, 'मिस ब्राइट' का खिताब निशा स्वामी को और 'मिस ग्लोरियस' का खिताब निकिता को प्रदान किया गया। इनके अलावा छात्राओं के मध्य हुई खेल प्रतियोगिता में बेहतरीन प्रस्तुति का पुरस्कार आंचल जावा को दिया गया। कार्यक्रम में छात्राध्यापिकाओं ने अपने अध्ययन की अवधि के स्मरणी पलों की पीपीटी तैयार करके प्रदर्शित की। छात्राध्यापिका पूनम पंवार ने अपने अनुभवों और भावों को अभिव्यक्त किया। आंचल जावा ने सभी शिक्षकों के साथ बीते पलों के आधार पर काव्योक्तियों की प्रस्तुति दी। छात्राओं ने सामूहिक नृत्य, एकल नृत्य, कविता, गीत व अन्य भावाभिव्यक्ति के सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए।

पुरूषार्थी को करती है दुनिया याद:-

कार्यक्रम में अपने सम्बोधन में प्रो. त्रिपाठी ने कहा कि दुनिया में केवल पुरूषार्थी को ही याद किया जाता है। पत्थर पर लकीर खींचने की तरह प्रतिकूल परिस्थितियों में भी कुछ करके दिखाना आवश्यक होता है। प्रमाद करने वाला नहीं बन कर परिश्रमी बनने पर ही लक्ष्य की प्राप्ति संभव है। इसलिए चाहे

धीमा ही चलो, पर सतत चलने पर सफलता अवश्य मिलती है। प्रो. बीएल जैन ने जीवन में सुख-दुःख की अनुभूति के बावजूद कभी हार नहीं मान कर अपने प्रयास जारी रखते हुए सफलता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा किशुआती असफलताओं के बावजूद प्रयास जारी रखने पर सफलता अवश्य मिलती है। उन्होंने भारतीय नैतिक मूल्यों, परम्पराओं व संस्कृति के साथ जीवन में अच्छी बातें ग्रहण करने पर बल दिया और ऊंचाइयों को छूने व निरन्तर आगे बढते रहने के लिए प्रेरित किया।

श्रमेव जयते को जीवन में उतारो:-

राजस्थानी भाषा एवं साहित्य विकास केन्द्र के अध्यक्ष प्रो. लक्ष्मीकांत व्यास ने छात्राध्यापिकाओं से 'श्रम एव जयते' को जीवन का घोष वाक्य बनाने और जीवन में श्रम को महत्व देने की अपील की। उन्होंने प्रमाद, आलस्य, खुशी, आनन्द के क्षणों का त्याग करके श्रम करते हुए सफलता को प्राप्त करने के लिए उत्साह भरा। प्रो. जिनैन्द्र जैन ने संस्थान से अध्ययन के दौरान सीखे हुए सबक जीवन भर याद रखने और उनसे लोगों को लाभान्वित करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का प्रारम्भ ललिता जांगिड़ ने गणेश वंदना के साथ नृत्य प्रस्तुत करके किया। कार्यक्रम की संयोजना में विभाग की छात्राओं भूमिका, ज्योति, मोनिका, रश्मि, आयुश्री, कोमल, हर्षिता सोनी, चंचल और मिताली, कुसुम, अनिशा, सिमरन आदि ने अपनी भूमिका अदा की। कार्यक्रम की सूत्रधार विभाग के सहायक आचार्य खुशाल जांगिड़ और स्नेहा शर्मा रहे। कार्यक्रम में विभाग के सभी सहायक आचार्य, आचार्याएं और सभी छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

गीतांजली हॉस्पिटल में कार्डियोनेक्स्ट–2025 प्रेस वार्ता का हुआ आयोजन

उदयपुर, (रॉयल पत्रिका)। गीतांजली मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल द्वारा कार्डियोनेक्स्ट–2025 कॉन्फ्रेंस के आयोजन की पूर्व संध्या पर एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। गीतांजली मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल, जनसामान्य तक उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा सुविधाएं पहुँचाने हेतु सदैव प्रतिबद्ध है। इसी उद्देश्य के अंतर्गत, दिनांक 12 एवं 13 अप्रैल 2025 को गीतांजली हॉस्पिटल, उदयपुर में हृदय रोग विभाग द्वारा प्रदेश स्तरीय कार्डियोलॉजी कॉन्फ्रेंस 'कार्डियोनेक्स्ट–2025' का आयोजन किया जा रहा है।

इस कॉन्फ्रेंस की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष डॉ. रमेश पटेल करेंगे, जबकि डॉ. दिलीप जैन आयोजन सचिव तथा डॉ. रोहिन सैनी सह–आयोजन सचिव की भूमिका में रहेंगे।

प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए डॉ. रमेश पटेल ने बताया कि देशभर से लगभग 300 वरिष्ठ कार्डियोलॉजिस्ट एवं फिजिशियन

इस कॉन्फ्रेंस में भाग लेंगे। इस दौरान हृदय संबंधी गंभीर बीमारियों, नवीनतम उपचार तकनीकों, नवाचारों एवं शोधपत्रों पर विस्तृत चर्चा होगी। साथ ही एनएमसी की नवीन प्रैक्टिस गाइडलाइन्स भी साझा की जाएंगी।

डॉ. पटेल ने यह भी बताया कि कॉन्फ्रेंस में विशेष रूप से हार्ट फेल्योर, युवाओं में बढ़ते हार्ट अटैक के मामले, व्यायाम के दौरान अचानक होने वाले हृदयाघात, एवं धड़कन से जुड़ी बीमारियों जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान व संवाद होंगे।

इस प्रेस वार्ता का उद्देश्य कॉन्फ्रेंस के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना, हृदय स्वास्थ्य पर सार्वजनिक विमर्श को प्रोत्साहित करना, और समाज तक नवीनतम चिकित्सकीय जानकारी पहुँचाना है।

गीतांजली मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल ने सभी मीडिया प्रतिनिधियों, पत्रकारों एवं फोटो जर्नलिस्ट्स से इस आयोजन को सहयोग देने की अपील की है।

प्रेस वार्ता का संचालन मार्केटिंग हेड कल्पेश चन्द रजबार तथा सूचना एवं प्रसारण विभाग से हरलीन गंभीर द्वारा किया गया।

गर्मी में जनता को पानी के लिए परेशानी हुई तो जिम्मेदारों की खैर नहीं - जिला कलक्टर

झुंझुनूं, (रॉयल पत्रिका)। पेयजल समीक्षा के संबंध में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार जिला कलक्टर रामावतार मीणा ने शुक्रवार को जलदाय विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए दो टूक लहजे में स्पष्ट निर्देश दिए कि आमजन को पेयजल के लिए जिले में परेशान नहीं होना पड़े। उन्होंने जलदाय विभाग के किसी भी अधिकारी-कर्मचारी को गर्मी में मुख्यालय नहीं छोड़ने के निर्देश दिए। कलक्टर मीणा ने विधानसभा क्षेत्रवार नलकूपों, हैंडपंप्स, पाईपलाईन, मरम्मत कार्य समेत पेयजल आपूर्तिकी विस्तार से समीक्षा की। जलदाय विभाग के अधीक्षण अभियंता राजपाल सिंह ने बैठक में बताया कि 20 अप्रैल तक सभी लंबित ट्यूबवैल एवं हैंडपंप्स चालू करवा दिए जाएंगे।

झुंझुनूं शहर में नहीं है अब पेयजल संकट :-

जिला कलक्टर रामावतार मीणा और स्थानीय विधायक राजेंद्र भांबू के निर्देशों के बाद झुंझुनूं शहर में रिकॉर्ड 90 नलकूपों से पेयजल आपूर्ति की जा रही है। झुंझुनूं के शहरी क्षेत्र में प्रतिदिन औसतन 4 से 6 घंटे पेयजल आपूर्ति की जा रही है, जिससे शहर वासियों का बड़ी राहत मिली है।

अतिरिक्त मुख्य अभियंता से की वार्ता:-

बैठक में जलदाय विभाग के विभिन्न कार्यों व निविदाओं के भुगतान के लिए आईएफएमएस 3.0 में आ रही तकनीकी समस्याओं का जिक्र हुआ, तो जिला कलक्टर ने तुरंत विभाग के अतिरिक्त मुख्य अभियंता से बातचीत की और तकनीकी समस्या को सुलझाने की बात कही। उन्होंने समस्या सुलझने तक अंडरटेकिंग देकर भुगतान चालू करने के निर्देश भी दिए।

पालनहार योजना से संवर रहा है वंचित बच्चों का भविष्य

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान सरकार की पालनहार योजना निराश्रित एवं वंचित बच्चों के लिए वरदान साबित हो रही है। सवाई माधोपुर निवासी उर्मिला, जिनके पति सूरज कुमार का निधन हो गया था, अकेले अपने तीन बच्चों की परवरिश करने में असमर्थ थीं। आर्थिक तंगी और अकेलेपन में जीवन की चुनौतियाँ कई गुना बढ़ गई थीं।

ऐसे कठिन समय में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित पालनहार योजना ने उनकी सहायता की। उर्मिला ने विभागीय पोर्टल के माध्यम से आवेदन किया और सभी वांछित दस्तावेजों की पूर्ति उपरांत उन्हें योजना के अंतर्गत पात्रतानुसार उनके तीनों बच्चों के पालन पोषण के लिए 4 हजार 500 प्रतिमाह की नियमित सहायता राशि मिलनी प्रारंभ हो गई।

इस आर्थिक सहयोग से अब उनके बच्चों को नियमित शिक्षा, पोषण और अन्य आवश्यकताओं की पूर्ति हो रही है। उर्मिला ने सरकार के इस संवेदनशील प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि यह योजना केवल वित्तीय मदद नहीं, बल्कि उनके जीवन में आशा और

आत्मबल का संचार है।

उप निदेशक मीना आर्य ने बताया कि योजना अन्तर्गत पेंशन की पात्र विधवा माता के बच्चे, विशेष योग्यजन माता/पिता के बच्चे सिलिकोसिस पीड़ित माता/पिता के बच्चे, एचआईवी एड्स से पीड़ित माता/पिता के बच्चे, कुष्ठ रोग से पीड़ित माता/पिता के बच्चे, कुष्ठ रोग से पीड़ित माता/पिता के बच्चे, आजीवन कारावास अथवा मृत्यु दंड से दंडित माता/पिता के बच्चे, नाता जाने वाली माता/परित्यकत्ता महिला के बच्चे, 10 विशेष श्रेणियों में 0 से 6 वर्ष की आयु के बच्चों को 750 रुपये तथा 7 से 18 वर्ष की आयु के बच्चों को 1500 रुपये प्रतिमाह अनुदान राशि तथा अनाथ बच्चों की श्रेणी में 0 से 18 वर्ष आयु के बच्चो को 2500 रूपये प्रतिमाह की राशि से लाभान्वित किया जाता है। साथ ही कपड़े, जूते, मौजे व पुस्तकों के लिए वर्ष में एक बार 2 हजार रूपए का एकमुश्त अनुदान का भी प्रावधान है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2024-25 में जिले में कुल 8 हजार 139 पालनहारों 2 करोड़ 50 लाख रूपये का लाभ प्रदान किया जा चुका है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में संचालित पालनहार योजना वंचित वर्ग के बच्चों के लिए आशा की किरण बनकर उभरी है। यह योजना उन परिवारों को संबल देती है जो कठिन परिस्थितियों में अपने बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

"पीएम-कुसुम योजना" पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ ऊर्जा आत्मनिर्भरता के लिए सशक्त कदम

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री माननीय भजनलाल शर्मा के निर्देशन में राज्य सरकार किसानों को स्वावलंबी बनाने एवं सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान (पीएम-कुसुम) के कम्पोनेंट-बी को प्रभावी रूप से लागू कर रही है। इसका उद्देश्य किसानों को रियायती दर पर सौर ऊर्जा पंप संयंत्र स्थापित करवा कर सिंचाई व्यवस्था को सशक्त बनाना है।

इस योजना के तहत 3, 5 एवं 7.5 हॉर्सपावर की क्षमता वाले सोलर पंप संयंत्रों पर 60 प्रतिशत तक का अनुदान प्रदान किया जा रहा है। इन पंपों की इकाई लागत क्रमशः 2 लाख 15 हजार 438 रूपये, 3 लाख 5 हजार 321 रूपये, 4 लाख 53 हजार 322 रूपये निर्धारित की गई है। इसके अतिरिक्त, अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के लाभार्थी किसानों को प्रत्येक संयंत्र पर 45 हजार रूपये का अतिरिक्त अनुदान भी दिया जा रहा है। किसान को कुल लागत का केवल 40 प्रतिशत स्वयं वहन करना होता है, जिसमें से 30 प्रतिशत तक का ऋण बैंक के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है। लघु एवं सीमांत किसानों को योजना में प्राथमिकता दी जा रही

है, बशर्ते किसान के पास न्यूनतम 0.40 हेक्टेयर भूमि का स्वामित्व हो।

वे किसान जिनके पास पूर्व में कृषि विद्त कनेक्शन नहीं है और जिनके खेतों में सिंचाई के लिए जल संग्रहण ढांचा (डिग्गी, फार्म पौंड, जलहौज आदि) उपलब्ध है, वे शपथ पत्र के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। वहीं जिन किसानों ने पहले ही इस योजना के तहत लाभ ले लिया है, वे दोबारा पात्र नहीं होंगे।

जिले में अब तक 621 किसान हो चुके हैं लाभांवित:-

उप निदेशक उद्यान डॉ हेमराज मीना ने बताया कि जिले को वर्ष 2024-25 हेतु कुल 1,500 सोलर पंप संयंत्रों का लक्ष्य प्राप्त हुआ है, जिसमें से अब तक 621 कृषकों को योजना का लाभ मिल चुका है। यह किसानों के बीच सौर ऊर्जा की बढ़ती स्वीकार्यता को दर्शाता है।

कैसे करें आवेदन:-

किसान ई-मित्र केंद्र या स्वयं एसएसओ आईडी के माध्यम से राजकिसान साथी पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। प्रशासनिक स्वीकृति मिलने के बाद कृषकों को अपनी हिस्सेदारी की 40 प्रतिशत राशि पोर्टल पर दिए गए लिंक के जरिए ई-मित्र, ईसीएस या डिमांड ड्राफ्ट के माध्यम से जमा करनी होती है। आवेदन के साथ जनाधार कार्ड, भूमि की जमाबंदी, सिंचाई जल स्रोत की उपलब्धता तथा विद्त कनेक्शन न होने का शपथ पत्र अनिवार्य रूप से संलग्न करना होता है। सरकार की यह पहल पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ किसानों की आय में वृद्धि और कृषि क्षेत्र में ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक सशक्त कदम है।

राजीविका से जुड़ी महिलाएं बनीं आत्मनिर्भरता की मिसाल

-राजस्थान सरकार की पहल से साकार हुआ महिला सशक्तिकरण का सपना

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान सरकार के ग्रामीण विकास विभाग के अधीन संचालित राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (राजीविका) के माध्यम से सवाई माधोपुर जिले की हजारों ग्रामीण महिलाएं सिर्फ परिवार की जिम्मेदारी ही नहीं संभाल रहीं बल्कि स्वरोजगार के जरिए आर्थिक स्वतंत्रता की मिसाल भी पेश कर रही हैं।

जिला परियोजना प्रबंधक डॉ. सरोज बैरवा ने बताया कि जिले की 1 लाख 20 हजार से अधिक महिलाएं 9 हजार 757 स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से राजीविका से जुड़कर आजीविका संवर्धन में जुटी हुई हैं। इन महिलाओं ने प्रशिक्षण, ऋण सुविधा और कौशल विकास के माध्यम से अपनी और अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ किया है। अब ये महिलाएं खुद का व्यवसाय कर न केवल आत्मनिर्भर बनी हैं, बल्कि अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणास्रोत भी बन रही हैं।

प्रियंका, गोकुल और पूजा सहित राजीविका की महिलाएं बनीं अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणादायीः- सवाई माधोपुर जिले की प्रियंका भार्गव, गोकुल देवी और पूजा देवी सहित अन्य महिलाओं ने राजीविका से जुड़कर अपनी मेहनत और लगन से खुद की पहचान बनाई है।

जिले के बौंली उपखण्ड के ग्राम बास टोरडा निवासी प्रियंका भार्गव आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण फरवरी 2021 में "धनलक्ष्मी" स्वयं सहायता समूह से जुड़ीं। इसके पश्चात राजीविका के माध्यम से 1 लाख रुपये का

ऋण प्राप्त कर लघु उद्योग प्रारम्भ कर लकड़ी और पत्थर की मूर्तियाँ बनाना शुरू किया। अपनी मेहनत व लगन से गांव में स्वयं द्वारा संचालित स्थायी दुकान में लकड़ी और पत्थर की मूर्ति निर्माण कर प्रियंका भार्गव आत्मनिर्भर हो गई है और मूर्तियों की बिक्री कर 3 लाख रूपये से अधिक की वार्षिक आय अर्जित कर रही है। राज्य सरकार द्वारा बांस टोडरा मूर्ति कला को "एक जिला एक उत्पाद" योजना में भी मान्यता मिली है।

ब्लैक पोटरी से मिला गोकुल देवी को नया जीवन:-

सवाई माधोपुर उपखण्ड के ग्राम श्यामोता निवासी गोकुल देवी एवं उनका परिवार परम्परागत रूप से काली मिट्टी के कलात्मक खिलौने एवं कलाकृति बनाते थे । वर्ष 2016 में गोकुल देवी "बालाजी" स्वयं सहातया समूह से जुड़ी और राजीविका के सहयोग से 50 हजार रुपये का ऋण प्राप्त कर अपनी कला को आगे बढ़ाया। आज उनकी वार्षिक आय 3.5 लाख रुपये तक पहुँच चुकी है एवं उनकी कला को राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली हैं। उनकी ब्लैक पोटरी की हस्तशिल्प कला को राजीविका में "एक जिला एक उत्पाद" योजना में भी मान्यता मिली है।

जिले की 10 हजार महिलाएं बनी लखपति दीदी:-

राजीविका के प्रशिक्षण, वित्तीय सहयोग से जिले में अब तक 10 हजार से अधिक महिलाएं अपनी आय एक लाख रूपये से अधिक बढ़ाकर लखपति दीदी की श्रेणी में शामिल हो चुकी है। नवाचार के रूप में "नमो ड्रोन दीदी" योजना द्वारा श्यामपुरा निवासी पूजा जागा कृषि क्षेत्र में भी फसलों में नैनो यूरिया का छिड़काव करने सहित अन्य तकनीकी दक्षता हासिल कर रही हैं। ऐसी अनेको प्रेरणादायी कहानियां साबित करती हैं कि राजीविका समूह से जुड़ी महिलाएं लघु उद्योग, गैर-कृषि, कृषि, पशुपालन आदि विभिन्न कार्य हेतु ऋण लेकर अपनी आवश्यकताओं की पूर्ण करने के साथ ही न सिर्फ आत्मनिर्भर बनी है, बल्कि अन्य महिलाओं को भी प्रेरित कर रही है।

यह उपलब्धि साबित करती है कि यदि सरकारी योजनाएं जमीनी स्तर तक प्रभावी ढंग से पहुँचें, तो सामाजिक और आर्थिक बदलाव संभव है। यह पहल महिला सशक्तिकरण, वित्तीय समावेशन और सामाजिक भागीदारी की दिशा में एक अनुकरणीय उदाहरण भी प्रस्तुत करती है।

महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती पर वन राज्यमंत्री ने प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया नमन

अलवर, (रॉयल पत्रिका)। महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती के अवसर पर पर्यावरण एवं वन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने आज महात्मा ज्योतिबा फुले सर्किल पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण अर्पित कर उन्हें नमन किया।

इस अवसर पर राज्यमंत्री शर्मा ने कहा कि महात्मा फुले जी ने वंचितों, शोषितों एवं महिलाओं के सशक्तीकरण व उन्नयन हेतु अपना जीवन समर्पित किया। उनका जीवन दर्शन आज भी समाज को जागरूक करने और आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। उनके अमूल्य विचार एवं समाज सुधार के कार्य हमें समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान के लिए सदैव प्रेरित करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि फुले जी की विचारधारा को आत्मसात कर हम एक समावेशी और न्यायसंगत समाज की स्थापना कर सकते हैं।

इस अवसर पर जिलाध्यक्ष अशोक गुप्ता, पं. जले सिंह, महेश निहलवानी, दीपक राजेंद्र सैनी, सीताराम चौधरी, सागर यादव, जगदीश अटल, ऋषिराज शर्मा सहित गणमान्य नागरिक एवं आमजन मौजूद रहे।

संसदीय क्षेत्र अलवर की विभिन्न ग्राम पंचायतों में 12 से 14 अप्रैल तक आयोजित होगा 'सांसद संपर्क संवाद यात्रा' कार्यक्रम

अलवर (रॉयल पत्रिका)। केंद्रीय मंत्री एवं अलवर सांसद भूपेन्द्र यादव द्वारा 12 अप्रैल से 14 अप्रैल तक संसदीय क्षेत्र अलवर की विभिन्न ग्राम पंचायतों में 'सांसद संपर्क संवाद यात्रा' कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, जिसमें केंद्रीय मंत्री द्वारा बजट घोषणाओं, मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणाओं, केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजना तथा अन्य मुद्दों के संबंध में आमजन से संवाद कर उनकी समस्याओं का निस्तारण करेंगे।

जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने बताया कि कार्यक्रमनुसार 12 अप्रैल को अलवर ग्रामीण विधानसभा के कलस्टर में सम्मलित ग्राम पंचायत पृथ्वीपुरा व सारंगपुरा, परसा का बास के लिए ग्राम पंचायत पृथ्वीपुरा में प्रातः 11:45 बजे से एवं कलस्टर में सम्मलित ग्राम पंचायत दादर, महुआ खुर्द, बंदीपुरा व मोहब्बतपुर के लिए राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय ग्राम पंचायत मोहब्बतपुर में दोपहर 2:05 बजे से कार्यक्रम आयोजित होगा। इसी प्रकार रामगढ विधानसभा के कलस्टर में सम्मलित ग्राम पंचायत जातपुर, बाम्बोली, खूटेटा कलां व नांगल टप्पा के लिए राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय ग्राम पंचायत बाम्बोली में दोपहर 4:15 बजे से एवं कलस्टर में सम्मलित ग्राम पंचायत बूंटोली, दीनार व गंडूरा के लिए ग्राम पंचायत बूंटोली में पानी की टंकी के पास सांय 6:15 बजे से कार्यक्रम आयोजित होगा। 13 अप्रैल को किशनगढबास विधानसभा के कलस्टर में सम्मलित ग्राम पंचायत दोंगडा, मूसा खेडा, चोरबसई, बाघोडा व बृसंगपुर के लिए ग्राम पंचायत दोंगडा में प्रातः 9 बजे से एवं कलस्टर में सम्मलित ग्राम पंचायत तिगांवा, नांगल सालिया, बघेरीखुर्द व झडका के लिए ग्राम पंचायत नांगल सालिया के बाबा कुंदनदास मंदिर पर प्रातः 11:10 बजे से, तिजारा विधानसभा के कलस्टर में सम्मलित ग्राम पंचायत बिछाला, ईशरोदा, लुहादेरा व मुण्डाना के लिए ग्राम पंचायत ईशरोदा के सामुदायिक भवन में दोपहर 1:20 बजे से एवं कलस्टर में सम्मलित ग्राम पंचायत मसीत, कमालपुर, मीठियावास व नाखनौल के लिए ग्राम पंचायत कमालपुर के पुराना शिव मंदिर के पास दोपहर 3:30 बजे से तथा 14 अप्रैल को मुण्डावर विधानसभा के कलस्टर में सम्मलित ग्राम पंचायत जोनायचा खुर्द, गुगलकोटा, शाहजहांपुर, फौलादपुर व कोलिला जोगा के लिए ग्राम पंचायत जोनायचा खुर्द की गांव चौपाल पर दोपहर 2:30 बजे से एवं कलस्टर में सम्मलित ग्राम पंचायत बावद, मानका, पलावा व हुलमानाकलन के लिए मानका के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में सांय 4:30 बजे से सांसद संपर्क संवाद यात्रा कार्यक्रम आयोजित होगा।

PNB हाउसिंग द्वारा विद्यालय विकास कार्यों का लोकार्पण

जोधपुर,(रॉयल पत्रिका)। राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय प्रताप नगर जोधपुर में पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस, पहल फाउंडेशन एवं युवा अनस्टॉपेबल के सौजन्य से सोलर प्लांट(10 KV),स्टेम लैब, बालिका शौचालय, वाटर स्टेशन, वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम एवं रंग रोगन कार्यों का उद्घाटन किया गया । इससे बालिकाओं के नामांकन में वृद्धि और ठहराव और बालिका शिक्षा को प्रोत्साहन मिलेगा।

प्रधानाचार्य श्रीमती कौसर परवीन ने बताया कि कार्यक्रम में पीएनबी हाउसिंग के कमल किशोर राजपुरोहित, दुर्गा सिंह, चंद्र प्रकाश, भावेश कुमार, बुध सिंह एवं युवा अनस्टॉपेबल के कुलदीप सिंह, पदम सिंह, जैस्मीन व समीर उपस्थित रहे ।

5 नए शेयरों पर क्वांट स्मॉलकैप फंड ने लगाया दांव

मुंबई, एजेंसी। क्वांट स्मॉलकैप फंड पूरी तरह से स्टेट बैंक ऑफ इंडिया से बाहर हो गया है। वहीं, क्वांट स्मॉलकैप फंड ने रिलायंस इंडस्ट्रीज में अपनी हिस्सेदारी घटाई है। स्मॉलकैप फंड ने मार्च में अपने पोर्टफोलियो में 5 नए स्टॉक्स जोड़े हैं। फंड ने मार्च में एसबीआई के करीब 40.04 लाख शेयर बेचे हैं। इसके अलावा, क्वांट स्मॉलकैप फंड ने इस साल मार्च में रिलायंस इंडस्ट्रीज के करीब 5.66 लाख शेयर बेचे हैं। फंड के पोर्टफोलियो में अब रिलायंस इंडस्ट्रीज के 1.95 करोड़ शेयर रह गए हैं। फरवरी में फंड के पोर्टफोलियो में रिलायंस इंडस्ट्रीज के 2.01 करोड़ शेयर थे। यह बात इकनॉमिक टाइम्स की एक रिपोर्ट में कही गई है। क्वांट स्मॉलकैप फंड, क्वांट म्यूचुअल फंड की तरफ से मैनेज किया जाने वाला सबसे बड़ा फंड है।

फंड का इन 5 नए स्टॉक्स पर दांव– फंड ने अपने पोर्टफोलियो में बंधन बैंक, कैस्ट्रॉल इंडिया, शिपिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया, स्टैनली लाइफस्टाइल्स और वेलस्पन इंडिया ये पांच स्टॉक्स जोड़े हैं। क्वांट स्मॉलकैप फंड ने बंधन बैंक के 24.48 लाख शेयर, कैस्ट्रॉल इंडिया के 22.43 लाख शेयर, शिपिंग कॉरपोरेशन के 26.56 लाख शेयर, स्टैनली लाइफस्टाइल्स के 3.09 लाख शेयर और वेलस्पन इंडिया के 72.68 लाख शेयर खरीदे हैं।

59 प्रतिशत तक चढ़ेगा अडानी समूह का यह शेयर, 800 के पार जाएगा भाव

मुंबई, एजेंसी। अगर आप अडानी समूह की कंपनी पर दांव लगाने की सोच रहे हैं तो आपके लिए काम की खबर है। मार्केट एनालिस्ट ने अडानी पावर के शेयर को खरीदने की सलाह दी है। यह शेयर – अडानी पावर का है। अडानी पावर के शेयर बीते बुधवार को 1 प्रतिशत से अधिक टूटकर 508 रुपये पर बंद हुए थे। आज गुरुवार को महावीर जयंती के मौके पर शेयर बाजार में कारोबार बंद है।

क्या है टारगेट प्राइस

वेंचुरा सिक्योरिटीज के अडानी पावर के शेयर पर 806 रुपये का टारगेट प्राइस सेट किया है। इसका मतलब है कि पिछले बंद प्राइस से अडानी समूह का यह शेयर 59 प्रतिशत तक चढ़ सकता है। ब्रोकरेज ने अपने नोट में लिखा है कि वित्त वर्ष 2024 में अडानी पावर के रेवेन्यू में 29.9 प्रतिशत और एबिटा (ब्याज, कर, मूल्यह्रास और परिशोधन से पहले की आय) में 81 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 31 तक कंपनी का लक्ष्य अपनी क्षमता को 30.67 गीगावाट तक बढ़ाना है। वित्त वर्ष 2024-27ई के दौरान राजस्व और एबिटा में क्रमश: 11.8 प्रतिशत और 10.6 प्रतिशत छ्त्रक्की वृद्धि होने की उम्मीद है।

दिसंबर तिमाही के नतीजे– अडानी पावर का दिसंबर तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ सात प्रतिशत बढ़कर 2,940 करोड़ रुपये हो गया। मुख्य रूप से बिजली की बिक्री बढ़ने से राजस्व में वृद्धि हुई है। कंपनी के मुताबिक, ''वित्त वर्ष 2024-25 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में एकीकृत कुल राजस्व 11 प्रतिशत बढ़कर 14,833 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में 13,355 करोड़ रुपये था। फ अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में शुद्ध लाभ सात प्रतिशत बढ़कर 2,940 करोड़ रुपये हो गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 2,738 करोड़ रुपये था।

रियलमी ने रियलमी नार्ज़ो 80 प्रो और 80एक्स को किया लॉन्च

मुंबई, एजेंसी। रियलमी, जो आज के भारतीय युवाओं का सबसे पसंदीदा स्मार्टफोन ब्रांड है उसने आज रियलमी नार्ज़ो 80 प्रो 5जी और रियलमी नार्ज़ो 80एक्स 5जी को लॉन्च किया। ये दोनों ही फोन अपनी कैटेगरी में परफॉर्मेंस के मायने में उम्दा है। इनमें रियलमी की खास टेक्नोलॉजी और दमदार फीचर्स का शानदार मेल हैं, वो भी बेहतरीन और किफायती कीमतों पर। रियलमी नार्ज़ो 80 प्रो 5जी और रियलमी नार्ज़ो 80एक्स 5जी में कई इंडस्ट्री-फर्स्ट फीचर्स दिए गए हैं, जैसे आईपी69 वॉटरप्रूफिंग, मिलिट्री-ग्रेड शॉक रेजिस्टेंस और एडवांस कूलिंग सिस्टम।

रियलमी की मेक इट रियल सोच के मुताबिक, इन स्मार्टफोन्स में प्रीमियम डिज़ाइन को जबरदस्त मजबूती के साथ भावी पीढ़ी के लिए अव्वल दर्जे की परफॉर्मेंस देने वाले के रूप में तैयार किया गया है। जो उन यूज़र्स के लिए एक दम सही है, जो हर चीज़ में कुछ ज्यादा चाहते हैं। रियलमी के प्रवक्ता ने कहा कि नार्ज़ो 80 सीरीज़ हमारा अब तक का सबसे पावरफुल ऑफर है उन यूज़र्स के लिए, जो बिना समझौता किए दमदार परफॉर्मेंस चाहते हैं।

तन्मय शाह, कैटेगरी लीडर

स्मार्टफोन्स और एक्सेसरीज़ एमेजॉन इंडिया ने बताया कि हमें खुशी है कि हम एमेजॉन.इन पर अपने बढ़ते 5जी स्मार्टफोन रेंज में नया रियलमी नार्ज़ो 80 सीरीज़ जोड़ रहे हैं, नार्ज़ो 80 प्रो 5जी शानदार गेमिंग परफॉर्मेंस देने का वादा करता है, वहीं नार्ज़ो 80एक्स 5जी की बैटरी काफी लंबे समय तक साथ न छोड़ने का वादा करती है। हमें पूरा भरोसा है कि ये दोनों डिवाइसेज़ उन सभी यूज़र्स की जरूरतों को पूरा करेंगे, जो दमदार परफॉर्मेंस वाले स्मार्टफोन्स को किफायती कीमत पर ढूंढ रहे हैं।

ये दोनों स्मार्टफोन एमेजॉन.इन पर रोमांचक कूपन ऑफर्स और आसान नो-कॉस्ट ईएमआई विकल्पों के साथ उपलब्ध होंगे।

4 सरकारी बैंकों ने ब्याज दरें घटाईं, मौजूदा और नए ग्राहकों को होगा फायदा

मुंबई, एजेंसी। सार्वजनिक क्षेत्र के चार बैंकों ने बुधवार को रेपो दर में कटौती किए जाने के कुछ घंटों के ही भीतर उधारी दरों में 0.25 प्रतिशत तक की कटौती करने की घोषणा कर दी। ब्याज दर में कटौती करने वाले बैंकों में पंजाब नेशनल बैंक, बैंक ऑफ इंडिया, इंडियन बैंक और यूको बैंक शामिल हैं। बैंकों के इस फैसले से उनके मौजूदा और नए उधारकर्ताओं दोनों को फायदा होगा। अन्य बैंकों की तरफ से भी जल्द ही इसी तरह की घोषणा किए जाने की उम्मीद है। आरबीआई ने प्रमुख नीतिगत दर रेपो में 0.25 प्रतिशत की कटौती कर 6.0 प्रतिशत करने की घोषणा की थी। सार्वजनिक क्षेत्र के इन बैंकों ने शेयर बाजारों को अलग-अलग दी गई सूचनाओं में कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से अल्पकालिक ऋण दर (रेपो रेट) में कटौती किए जाने के बाद ऋण दर में यह संशोधन किया गया है। रेपो रेट घटने से बैंक क्यों कर देते हैं लोन सस्ता-रेपो रेट कम होने से बैंकों को आरबीआई से सस्ते दरों पर पैसा मिलेगा, जिससे वे होम लोन, कार लोन, पर्सनल लोन आदि पर ब्याज दरें कम कर सकते हैं। इससे ईएमआई कम होगी और लोगों की मासिक बचत बढ़ेगी। छोटे व्यवसायियों और उद्यमियों को भी सस्ते लोन मिलेंगे, जिससे निवेश और रोजगार के अवसर बढ़ सकते हैं। चेन्नई स्थित इंडियन बैंक ने कहा कि उसकी रेपो-संबद्ध मानक उधारी दर (आरबीएलआर) 11 अप्रैल से 35 आधार अंकों की कटौती करके 8.70 प्रतिशत कर दी जाएगी। इस बीच, पंजाब नेशनल बैंक ने आरबीएल आर को 9.10 प्रतिशत से संशोधित कर 8.85 प्रतिशत कर दिया है।

टाटा प्ले बिंज लेकर आया है, आईपीएल के उत्साह के बीच क्रिकेट के रोमांच वाली फ़िल्में

मुंबई। पूरे देश में आईपीएल का उत्साह व्याप्त है। सभी पर क्रिकेट का बुखार चढ़ा है। मैच में छक्का लगने की खुशी हो, या फिर फैंटेसी लीग में बढ़ता स्कोर देखने की उत्सुकता, स्टेडियम से लेकर आपके घर की स्क्रीन तक, यह क्रिकेट का दौर बहुत ही रोमांचक है। लेकिन यदि रोज मैच देखने के बाद भी आपका मन न भरे, तो टाटा प्ले बिंज़ आपके लिए लेकर आया है क्रिकेट की प्रेरणा से बनी बेहतरीन फिल्में और सीरीज़। टाटा प्ले बिंज के साथ आप भावनाओं का उतार-चढ़ाव और रोमांच अपनी स्क्रीन पर देख सकेंगे, वो भी चैनल बदले बिना और अलग-अलग जगह लॉग इन किए बिना।

क्रिकेट का पूरा मनोरंजन मिलेगा एक ही जगह पर। तो जब मैच होगा खत्म, बिंज होगा शुरू। मैच खत्म होने के बाद भी अपनी क्रिकेट की जिज्ञासा को जारी रखें। आईपीएल मैच के उत्साह के बीच देखिए उस खिलाड़ी की कहानी, जो चेन्नई सुपरकिंग्स को ले गया विजय के शिखर पर? एमएस धोनी : द अनटोल्ड स्टोरी में भारत के महान क्रिकेट खिलाड़ियों में से एक, महेंद्र सिंह धोनी का जीवन दिखाया गया है। एक छोटे से शहर से आने से लेकर विश्व कप में भारत को जीत दिलाने तक वो अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के इतिहास के सबसे सफल खिलाड़ियों में से एक हैं।

अमेज़न इंडिया 2025 के दौरान

आश्रय विश्राम केंद्रों के नेटवर्क को बढ़ाकर करेगी 100 तक

मुंबई, एजेंसी। अमेज़न इंडिया ने घोषणा की कि उसने 2025 के दौरान देश भर में अपने आश्रय केंद्रों के अपने नेटवर्क को बढ़ाकर 100 तक करने की योजना बनाई है। ये आश्रय केंद्र ऐसे विश्राम स्थल हैं जो ई-कॉमर्स और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में डिलीवरी एसोसिएट को बैठने की वातानुकूलित जगह, स्वच्छ पेयजल, इलेक्ट्रोलाइट, मोबाइल चार्जिंग पॉइंट, शौचालय, प्राथमिक चिकित्सा किट और जलपान की सुविधा प्रदान करते हैं। यह उद्योग में अपने किस्म की पहली पहल है जिसके ज़्यादा व्यस्त क्षेत्रों में डिलीवरी एसोसिएट (डिलीवरी कर्मियों) और लॉजिस्टिक्स भागीदारों के लिए विशिष्ट विश्राम केंद्र मुहैया कराए जाते हैं।

पेट्रोल पंप और वाणिज्यिक किराये की जगहों (कमर्शियल रेंटल) पर स्थित ये केंद्र आवश्यक सुविधाओं से लैस हैं। ये आश्रय केंद्र पूरे साल भर में सप्ताह के सातों दिन सुबह 9 बजे से रात 9 बजे तक संचालित होते हैं, जो यहां आने वाले सभी डिलीवरी एसोसिएट को हर बार आने पर 30 मिनट तक निःशुल्क उपयोग की सुविधा प्रदान करते हैं। किसी भी समय 15 लोगों के साथ बैठने-आराम करने की सुविधा प्रदान करने की क्षमता वाले इन केंद्रों में सुविधाजनक पार्किंग की भी सहूलियत होती है।

अमेज़न में वीपी ऑपरेशंस, भारत एवं ऑस्ट्रेलिया, अभिनव सिंह ने कहा, डिलीवरी एसोसिएट का स्वास्थ्य, तंदुरुस्ती और आराम हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। आश्रय केंद्र में स्वच्छ पेयजल, प्राथमिक चिकित्सा किट और चार्जिंग पॉइंट जैसी आवश्यक सुविधाओं के साथ वातानुकूलित विश्राम क्षेत्र की भी व्यवस्था होती है। ये केंद्र डिलीवरी एसोसिएट को उनके व्यस्त शेड्यूल के दौरान आराम और सुरक्षा प्रदान करते हैं। ईकॉमर्स और लॉजिस्टिक्स इकोसिस्टम में सभी डिलीवरी एसोसिएट के लिए इन सुविधाओं को खोलने से पूरे लॉजिस्टिक्स समुदाय मदद मिलती है और इससे उद्योग के मानकों को ऊपर उठाने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता ज़ाहिर होती है।

सोने के उछले भाव, इस साल 14421 हुआ महंगा

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा चीन पर टैरिफ (आयात शुल्क) बढ़ाने के फैसले के बाद निवेशकों ने सोने में जमकर पैसा लगाया और एक बार फिर सोने के भाव में तेजी देखने को मिल रही है। स्पॉट गोल्ड गुरुवार को 0.2 प्रतिशत बढ़कर 3,089.17 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया।

वहीं, अमेरिकी गोल्ड फ्यूचर्स 0.8 प्रतिशत चढ़कर 3,104.90 डॉलर पर पहुंच गया। पिछले दिनों स्पॉट गोल्ड 2.6 प्रतिशत और फ्यूचर्स 3 प्रतिशत उछले थे। जबकि, 3 अप्रैल को सोना 3,167.57 डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर था। महावीर जयंती के मौके पर आज 10 अप्रैल को भारतीय शेयर मार्केट और कमोडिटी बाजार बंद रहेंगे। हालांकि, शाम 5 बजे मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज यानी एमसीएक्स पर कमोडिटी ट्रेडिंग शुरू होगी।

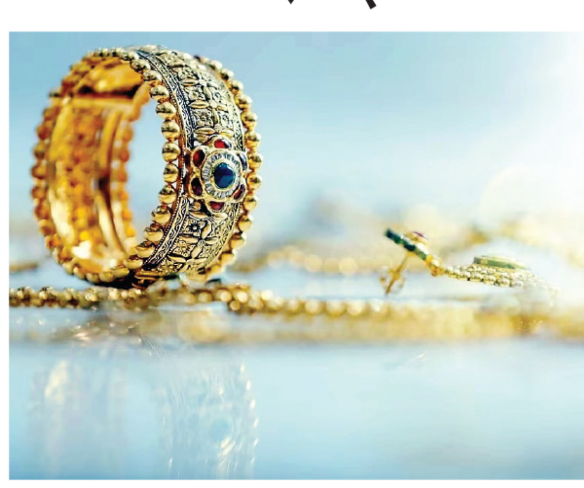

इस साल अबतक सोना 14421 रुपये उछला

अगर घरेलू सर्राफा मार्केट की बात करें तो इस साल अबतक सोना 14421 रुपये प्रति 10 ग्राम महंगा हो चुका है। वहीं, चांदी के भाव 4652 रुपये चढ़े हैं। अगर अप्रैल की बात करें तो गोल्ड की कीमत 997 रुपये चढ़ी है और चांदी 10265 रुपये कमजोर हुई है।

सोने के भाव में 1611 रुपये की उछाल– भारतीय सर्राफा बाजारों में सोने का हाजिर भाव एक बार फिर उछल गया है। आईबीजेए के अनुसार बुधवार को 24 कैरेट सोने के भाव में 1611 रुपये का उछाल आया और यह 90161 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। चांदी भी 306 रुपये चढ़कर 90669 रुपये पर पहुंच गई। हालांकि, एमसीएक्स पर सोना बुधवार को 80 रुपये (0.09 प्रतिशत) गिरकर 89,724 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। दिन में यह 90,853 रुपये तक भी पहुंचा था। चांदी 2,856 रुपये (3.22 प्रतिशत) चढ़कर 91,600 रुपये प्रति किलो हुई।

क्यों बढ़ रहा है सोना

ट्रंप ने चीन से आयात पर टैरिफ 104 प्रतिशत से बढ़ाकर 125 प्रतिशत कर दिया, लेकिन अन्य देशों पर टैरिफ बढ़ाने को 90 दिन के लिए टाल दिया। निवेशकों को डर है कि टैरिफ से महंगाई बढ़ेगी और अर्थव्यवस्था प्रभावित होगी।

आरबीआई गवर्नर ने कहा

अमेरिकी टैरिफ से प्रभावित होंगे सभी देश

भारतीय अर्थव्यवस्था पर कम होगा असर

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका के जवाबी टैरिफ लगाने के बाद व्यापार युद्ध गहराने की चिंता ने सभी क्षेत्रों में आर्थिक परिदृश्य को प्रभावित किया है। ट्रंप टैरिफ से न सिर्फ दुनियाभर की अर्थव्यवस्थाओं पर असर पड़ेगा, बल्कि निर्यात और महंगाई के लिए भी नई चुनौतियों के साथ जोखिम पैदा हुए हैं। हालांकि, भारत पर टैरिफ का असर कई अन्य देशों की तुलना में कम होगा। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक की जानकारी देते हुए कहा, भारत के कुल निर्यात का जीडीपी में 12 फीसदी योगदान है, जबकि अमेरिका को होने वाला निर्यात 2 फीसदी से भी कम है। इसके उलट, चीन की जीडीपी में उसके निर्यात का हिस्सा करीब 19 फीसदी, जर्मनी का 37 फीसदी और यूरोपीय संघ (ईयू) का 30 फीसदी से ज्यादा है। इसी प्रकार, ताइवान और ईरान जैसे देशों से होने वाले निर्यात का उनकी जीडीपी में अधिक योगदान है। इसके अलावा, टैरिफ भारत के लिए कम महत्वपूर्ण है, क्योंकि अमेरिका के साथ हमारा व्यापार अधिशेष अन्य देशों से कम है। यह भारत को अमेरिकी टैरिफ के संदर्भ में तुलनात्मक लाभ देता है। हालांकि, यह सच है कि टैरिफ वृद्धि दर को धीमा कर सकता है। गवर्नर ने कहा, दुनिया में मची उथल-पुथल के बीच अमेरिकी डॉलर में गिरावट आई है। बॉन्ड पर रिटर्न घटा है। शेयर बाजारों में गिरावट आ रही है। क्रूड करीब चार साल के निचले स्तर पर आ गया है। ऐसे हालात में केंद्रीय बैंक प्राथमिकताओं के आधार पर सतर्कतापूर्वक काम कर रहे हैं।

शुल्क युद्ध के महंगाई से ज्यादा वृद्धि पर प्रभाव को लेकर चिंता– जहां तक भारत पर अमेरिकी शुल्क के प्रभाव का सवाल है, हमने अपना आकलन दे दिया है। हमने 2025-26 के लिए वृद्धि दर अनुमान में 0.20 फीसदी की कमी की है। इसका प्रमुख कारण वैश्विक अनिश्चितता है। शुल्क युद्ध का महंगाई की तुलना में आर्थिक वृद्धि पर असर को लेकर चिंता ज्यादा है।

यूपीआई : ग्राहक अब कर सकेंगे ज्यादा भुगतान– आरबीआई ने भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) को यूपीआई के जरिये 'पर्सन-2-मर्चेंट (पी2एम) लेनदेन की सीमा बढ़ाने की मंजूरी दे दी है। केंद्रीय बैंक के इस कदम के बाद यूपीआई के जरिये बड़े भुगतान का रास्ता खुल गया है। हालांकि, पर्सन-2-पर्सन (पी2पी) यूपीआई लेनदेन की सीमा पहले की तरह एक लाख रुपये ही रहेगी। यानी एक व्यक्ति यूपीआई के जरिये किसी दूसरे शख्स को एक बार में अधिकतम एक लाख रुपये ही भेज सकता है। वर्तमान में व्यक्ति से कारोबारियों (पी2एम) को लेनदेन के तहत ग्राहक पूंजी बाजार और बीमा जैसे मामलों में एक बार में अधिकतम दो लाख रुपये का भुगतान कर सकता है। वहीं, टैक्स, शैक्षणिक संस्थानों, अस्पतालों और आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए भुगतान सीमा पांच लाख रुपये है।

गवर्नर ने कहा, अर्थव्यवस्था की जरूरतों के अनुसार एनपीसीआई, बैंकों और यूपीआई परिवेश से जुड़े अन्य पक्षों के परामर्श से उपयोगकर्ता की बदलती जरूरतों के आधार पर यूपीआई सीमा में संशोधन कर सकता है। बैंकों को एनपीसीआई की घोषित सीमाओं के भीतर अपनी आंतरिक लिमिट तय करने का विवेकाधिकार बना रहेगा। ऊंची सीमा से जुड़े जोखिमों को कम करने के लिए उचित सुरक्षा उपाय किए जाएंगे।

विदेशी मुद्रा भंडार : पांच महीने के उच्च स्तर पर

आरबीआई ने बताया, देश का विदेशी मुद्रा भंडार 4 अप्रैल तक 10.9 अरब डॉलर बढ़कर 676.3 अरब डॉलर पहुंच गया, जो पांच महीने का सर्वाधिक स्तर है। यह भंडार लगातार पांचवें सप्ताह बढ़ा है।

अमेरिका को 2024 में 33 अरब डॉलर का निर्यात

भारत ने 2024 में अमेरिका को करीब 33 अरब डॉलर की वस्तुओं का निर्यात किया है। इनमें सर्वाधिक 8.1 अरब डॉलर के फार्मा उत्पादों का निर्यात शामिल है। 6.5 अरब डॉलर के दूरसंचार उपकरणों, 5.3 अरब डॉलर की कीमती पत्थरों, 4.1 अरब डॉलर के पेट्रोलियम उत्पादों का भी निर्यात किया गया है। भारत ने 2024 में अमेरिका से 4.5 अरब डॉलर के क्रूड समेत 18.1 अरब डॉलर के उत्पादों का आयात किया है।

जीडीपी के लिए कुछ अच्छे संकेत, 6.5 फीसदी रहेगी वृद्धि दर

आरबीआई गवर्नर ने कहा, वैश्विक चुनौतियों के बीच घरेलू अर्थव्यवस्था के लिए कुछ अच्छे संकेत भी दिख रहे हैं। जलाशयों की बेहतर स्थिति और चालू वित्त वर्ष में फसल उत्पादन अच्छा रहने के अनुमान से कृषि क्षेत्र की संभावनाएं उज्ज्वल हैं। विनिर्माण गतिविधियों में सुधार है। कारोबारी उम्मीदें मजबूत हैं। सेवा क्षेत्र भी जुझारू प्रदर्शन कर रहा है। निवेश गतिविधियों में तेजी आई है। उच्च क्षमता उपयोग के साथ सरकार बुनियादी ढांचे पर खर्च बढ़ा रही है। बैंकों एवं कंपनियों के बेहतर बही-खाते और वित्तीय स्थितियों में सुधार से निवेश बढ़ने की उम्मीद है। मल्होत्रा ने कहा, बेहतर कृषि उत्पादन और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट को देखते हुए खुदरा महंगाई के मोर्चे पर राहत मिलने की उम्मीद है।

जाट को लेकर उत्साहित हूं

अभिनेता रणदीप हुड्डा क्रिस हेम्सवर्थ अभिनीत फिल्म एक्सट्रैक्शन की रिलीज के पांच साल बाद एक्शन जोन में वापस कदम रखने को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने माना कि उन्हें हमेशा एक्शन जॉनर पसंद रहा है क्योंकि इसमें कुछ नया और रोमांच होता है। जल्द ही वो जाट में अहम किरदार निभाते नजर आएंगे। एक्सट्रैक्शन सैम हार्ग्रेव द्वारा निर्देशित और रुसो ब्रदर्स द्वारा निर्मित है, जो 2020 में नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी। अब जाट के साथ, वह एक एक्शन स्टार की भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। इसमें उन्होंने रणतुंगा की भूमिका निभाई है। एक्शन में अपनी वापसी के बारे में बात करते हुए, रणदीप हुड्डा ने कहा, मुझे हमेशा से एक्शन शैली पसंद रही है। इसमें कुछ नयापन, भावनाओं को झकझोरने का माद्दा और रोमांच होता है। बायोपिक्स में गंभीर किरदार निभाने के बाद जाट में खतरनाक रणतुंगा का रोल मेरे अलग ही किरदार को प्रदर्शित करता है। अभिनेता ने कहा कि वह एक्शन को मिस कर रहे थे और 'जाट' उन्हें उस स्थान पर वापस ले आया। रणदीप ने कहा- कोरियोग्राफी से लेकर एक्शन तक काफी डिमांडिग था लेकिन यह एक चुनौतीपूर्ण लेकिन संतोषजनक अनुभव रहा है। एक ऐसा किरदार निभाना जो जितना करिश्माई है उतना ही निर्दयी भी है, कुछ ऐसा है जिसे लेकर मैं वाकई उत्सुक हूं। एक्सट्रैक्शन मेरे लिए अपनी तरह की पहली फिल्म थी ये एक रोमांचकारी अनुभव था। जाट की बात करें तो इसका निर्देशन गोपीचंद मालिनेनी ने किया है। इसमें विनीत कुमार सिंह, सैयामी खेर और रेजिना कैसांड्रा भी हैं। प्रत्येक अभिनेता अपनी भूमिका में अनूठापन और गहराई लाता है। फिल्म का संगीत थमन एस ने दिया है। संपादन नवीन नूली ने किया है। दावा है कि फिल्म दर्शकों को मनोरंजन की दुनिया की अद्भुत सैर पर ले जाएगी। मैथ्री मूवी मेकर्स और पीपल मीडिया फैक्ट्री द्वारा निर्मित यह फिल्म 10 अप्रैल को हिंदी, तमिल और तेलुगू भाषा में रिलीज होगी।

मैंने अपनी किस्मत और कामयाबी खुद अपनी मेहनत और दृढ़ निश्चय से लिखी है

एक 21 साल की लड़की का पैरंट्स के खिलाफ होते हुए भी जबलपुर जैसे छोटे शहर से मुंबई आकर बॉलीवुड एक्ट्रेस बनना किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं, लेकिन शालिनी पांडे ने यह असंभव सपना सच कर दिखाया। आज अर्जुन रेड्डी, जयेश भाई जोरदार, महाराज, डब्बा कार्टेल जैसी बड़ी फ़िल्में और वेब शो कर चुकी शालिनी बिल्कुल ठीक कहती हैं कि उन्होंने अपनी ये किस्मत और कामयाबी खुद अपनी मेहनत और दृढ़ निश्चय से लिखी है।

अर्जुन रेड्डी की प्रीति हो या जयेशभाई जोरदार की मुद्रा, महाराज की किशोरी या डब्बा कार्टेल की राजी, पर्दे पर आप भोली-भाली, सहमी हुई मासूम लड़कियों के रूप ज्यादा दिखी हैं। असल जिंदगी में आप खुद कैसी हैं?

असल जिंदगी में मैं इन सबसे एकदम अलग हूं। मैं बहुत बेबाक हूं। बिंदास अपनी राय जाहिर करती हूं। बचपन से ही मैं अपनी बात रखने में कभी नहीं झिझकी। जब भी मुझे कुछ गलत लगता है तो मैं उस पर सवाल करती हूं। जबकि, मैं एक छोटे शहर के रूढ़िवादी परिवार से हूं। हमें सिखाया जाता है कि ऐसे बात मत करो। वो चाहे आपके पैरंट्स हों या रिश्तेदार, वे हमेशा बताते हैं कि ये नहीं करो, वो नहीं करो। मैं बहुत मुंहफट इंसान हूं। ऐसे में, ये अजीब बात है कि मुझे ऐसी लड़कियों के किरदार ही ज्यादा मिले, जो अपनी आवाज नहीं उठा सकती थीं।

ऐक्टिंग का चस्का कैसे लगा?

ऐसा कोई एक दिन नहीं था। जबसे मुझे याद है, मुझे ऐक्टर ही बनना है। जबकि, बचपन में हमें फिल्में देखने की भी इजाजत नहीं थी। पैरंट्स टीवी का केबल कनेक्शन तक काट देते थे, क्योंकि सारा जोर पढ़ाई पर था, पर मुझे लगता है कि इसकी कई वजहें रहीं। जैसे, शुरू में टीवी देखते हुए लगता था कि मुझे भी टीवी पर आना है, मगर बड़ी वजह यह थी कि मुझे जबलपुर से बाहर निकलना है। मुझे अपनी पहचान बनानी है। मैं 9 से 5 वाली नौकरी कर ही नहीं सकती हूं। मुझे अपनी भावनाओं को दिखाने के लिए जरिया चाहिए और इसके लिए ऐक्टिंग से बेहतर कुछ नहीं हो सकता। ये मेरे लिए एक थेरपी है।

आपने अर्जुन रेड्डी और जयेशभाई जोरदार जैसी बड़ी फिल्मों से शुरुआत की। कम समय में कई बड़े प्रोजेक्ट्स का हिस्सा रहीं। किस्मत या मेहनत, किसका हाथ ज्यादा मानती हैं?

मैं किसी भी फिल्मी बैकग्राउंड से नहीं हूं। मेरे पीछे किसी का हाथ नहीं रहा, मैंने अपनी ये किस्मत खुद बनाई है। मेरी मेहनत, दृढ़ता, डटे रहना कि कुछ भी हो, मैं ये करके रहूंगी, इन चीजों ने मेरे लिए यह रास्ता बनाया। वह कहते हैं ना कि जहां चाह होती है, वहीं राह होती है, मेरा मानना है कि किस्मत भी उसी का साथ देती है, जो कड़ी मेहनत करते हैं। उसके बगैर कुछ नहीं होता, तो मेरे लिए कड़ी मेहनत सबसे आगे आती है। बाकी सब उसके बाद आता है।

आपके आने वाले प्रॉजेक्ट्स कौन से हैं?

धनुष के साथ एक साउथ फिल्म पूरी होने वाली है। फिर, एक ओटीटी प्रॉजेक्ट आएगा। इसके अलावा, दो-तीन और एक्साइटिंग प्रॉजेक्ट्स हैं लेकिन उनके बारे में बात नहीं कर सकती। उम्मीद है कि जल्द उनकी घोषणा होगी।

अपनी सीरीज डब्बा कार्टेल में शबाना आजमी जैसी दिग्गज ऐक्ट्रेस के साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा? क्या सीखा?

शबाना आजमी सबसे कूलेस्ट इंसान हैं, जिनसे मैं मिली हूं। मैंने उनसे इतना सीखा कि पता नहीं कि कहां से शुरू करूं और कहां खत्म करूं। उन्होंने मुझे जिंदगी के सबसे बड़े सबक सिखाए हैं। इतनी अनुभवी होने के बाद भी उन्होंने एक यंग वुमन के तौर पर मुझे ऊपर उठाया। मुझे बराबरी का दर्जा दिया कि आप अपनी राय रखो, आप हम जितनी ही बराबर हो। वह मेरा ह्यूमर समझती थीं। जबकि, मेरे मजाक व्यंग्यात्मक होते हैं तो अगर आप उसे नहीं समझें तो आपको बुरा लग सकता है, लेकिन शबाना मैम ने मेरे ह्यूमर को मान्यता दी।

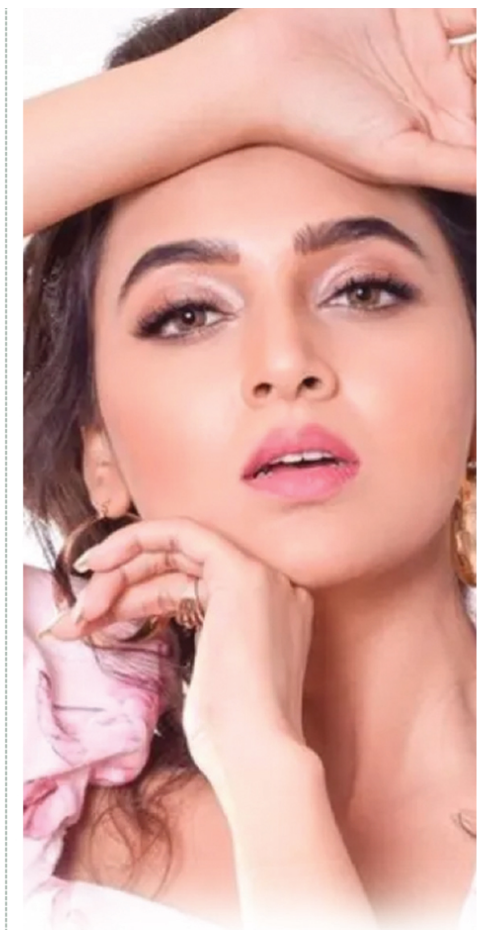

'लोग मुझे फुटबॉल जैसे फेस वाली कहकर बुलाते थे', तेजस्वी प्रकाश ने बॉडी शेमिंग का किया सामना

टीवी की मशहूर अभिनेत्री तेजस्वी प्रकाश इन दिनों रियलिटी शो सेलेब्रिटी मास्टर शेफ में नजर आ रही हैं। जिसको लेकर वो लगातार चर्चाओं में बनी हुई हैं। उनके फैंस अपनी पसंदीदा कलाकार को शो का विनर बनाना चाहते हैं। वहीं दूसरी ओर तेजस्वी अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड करण कुंद्रा के साथ शादी की खबरों को लेकर भी चर्चाओं में बनी हुई हैं। इस बीच अभिनेत्री ने बॉडी शेमिंग को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने ये भी बताया कि कब उन्हें बॉडी शेमिंग का सामना करना पड़ा।

मुझे नहीं पसंद लोगों का किसी के शरीर पर कमेंट करना बातचीत में तेजस्वी प्रकाश ने बॉडी शेमिंग पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, मैं हमेशा पतली रही हूं और मुझे ये अजीब लगता है जब लोग किसी के वजन पर या किसी पर शारीरिक टिप्पणी करने को ठीक समझते हैं। जैसे लोग कहते हैं, तुम बहुत पतली हो, या अब तुम स्वस्थ हो। लेकिन अगर किसी का वजन ज्यादा है तो शायद कोई ऐसा नहीं कहेगा।

मैं लोगों के कमेंट को पॉजिटिव लेती हूं

तेजस्वी ने आगे कहा, मेरा शरीर अजीब है। शरीर पतला है और चेहरा गोल-मटोल है। मुझे लेकर लोग कन्फ्यूज हो जाते थे और मुझ पर 'फुटबॉल फेस' जैसे कमेंट किया करते थे। यहां तक कि अभी भी मेरा चेहरा गोल-मटोल ही है और मुझे नहीं लगता कि मैं इसे बदल सकती हूं। हालांकि, मैं इन टिप्पणियों को नकारात्मक तौर पर नहीं लेती, बल्कि इन्हें पॉजिटि तरीके से लेती हूं और खुद में बदलाव करने का सोचती हूं। जैसे प्रोटीन का सेवन बढ़ाना या योगा करना।

सही फीडबैक को गंभीरता से लेकर, उस पर काम करना चाहिए

अभिनेत्री ने आगे उनके ऊपर होने वाली टिप्पणियों पर कहा, ऐसा नहीं है कि मैं इन कमेंट से अनजान हूं, लेकिन मैं इन टिप्पणियों से खुद को प्रभावित नहीं होने देती हूं। अगर मैं उनके फीडबैक से सहमत होती हूं, तो उन पर काम करती हूं। मेरा मानना है कि शारीरिक बनावट और आत्मविश्वास के बीच संतुलन बनाना काफी जरूरी है। सही फीडबैक को आपको गंभीरता से लेना चाहिए और उस पर काम करना चाहिए।

इस साउथ निर्देशक के साथ पर्दे धमाल मचाने की तैयारी में ऋतिक रोशन

तेलुगु सिनेमा के मशहूर निर्देशक बॉबी कोली ने अपनी पिछले दो फिल्मों वाल्टेयर वीरैया और डाकू महाराज से दर्शकों का दिल जीत है। इन फिल्मों में उन्होंने सीनियर हीरो चिरंजीवी और बालकृष्ण को जिस शानदार अंदाज में पेश किया, उसकी हर तरफ तारीफ हुई। अब फैंस उनकी अगली फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

ऋतिक रोशन के साथ फिल्म बनाएंगे बॉबी?

सोशल मीडिया पर चल रही चर्चाओं के मुताबिक बॉबी कोली जल्द ही बॉलीवुड के ग्रीक गॉड कहलाने वाले ऋतिक रोशन के साथ काम कर सकते हैं। कहा जा रहा है कि हाल ही में बॉबी ने ऋतिक से मुलाकात की और उन्हें एक कहानी सुनाई। ये कहानी ऋतिक को इतनी पसंद आई कि दोनों के बीच बात आगे बढ़ रही है। अगर सब कुछ ठीक रहा तो बॉबी अपनी पहली हिंदी फिल्म ऋतिक के साथ बना सकते हैं।

इस प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले बन सकती है फिल्म

इस बड़े प्रोजेक्ट को तेलुगु फिल्मों की जानी-मानी प्रोडक्शन कंपनी मैत्री मूवी मेकर्स प्रोड्यूस कर सकती है। ये बैनर कई भाषाओं में फिल्में बना रहा है और नए-नए प्रयोगों के लिए जाना जाता है। अगर ये फिल्म बनती है तो ये इस प्रोडक्शन हाउस की बॉलीवुड में बड़ा कदम होगा।

इन फिल्मों में व्यस्त हैं ऋतिक

फिलहाल ऋतिक रोशन वॉर 2 की शूटिंग में व्यस्त हैं, जिसमें उनके साथ जूनियर एनटीआर भी नजर आएंगे। इस फिल्म के बाद ऋतिक कृष 4 में काम शुरू करेंगे, जिसका निर्देशन वह खुद ही करेंगे। ऋतिक की पिछली फिल्मों की बात करें तो उन्हें फिल्म फाइटर में देखा गया था। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी थी।

जाट की रिलीज से पहले सनी देओल का ओटीटी प्रोजेक्ट्स को लेकर खुलासा

सनी देओल इन दिनों अपनी आगामी फिल्म जाट को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। इस फिल्म में सनी का एक्शन अवतार एक बार फिर से देखने को मिलेगा। हालांकि, सनी की सभी फिल्में एक्शन बेस्ड ही होती हैं। इसी बीच एक इवेंट के दौरान सनी ने अपने ओटीटी प्रोजेक्ट्स के बारे में खुलकर बातचीत की।

गदर 2 से बॉक्स ऑफिस पर कई रिकॉर्ड तोड़े। अब सनी फिल्म जाट के लिए अपनी कमर कस रहे हैं। एक इवेंट के दौरान सनी ने बताया कि उनके कुछ आगामी प्रोजेक्ट्स हैं, जो सिनेमा हॉल के लिए नहीं बल्कि ओटीटी के लिए बने हैं। सनी के फैंस गदर 2 की सफलता के बाद उनकी आने वाली एक्शन-थ्रिलर जाट में भी उनके शानदार प्रदर्शन की उम्मीद कर रहे हैं। फिल्म का निर्देशन गोपीचंद मालिनेनी ने किया है। यह गोपीचंद की पहली हिंदी फिल्म है, जिसे उन्होंने लिखा और निर्देशित किया गया है। इस फिल्म को मैथरी मूवी मेकर्स और पीपल मीडिया फैक्ट्री द्वारा निर्मित किया गया है। पीटीआई से बातचीत के दौरान सनी ने बताया कि उनके पास कई आगामी ओटीटी प्रोजेक्ट हैं। सनी ने कहा कि उनके कुछ प्रोजेक्ट ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आएंगे क्योंकि सिनेमा के दर्शक अलग होते हैं। उन्होंने कहा, ओटीटी पर जाना अच्छा है क्योंकि लोग वहां आपकी फिल्में अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर देख सकते हैं।

सनी ने यह भी बताया कि ओटीटी अभिनेताओं और निर्देशकों के लिए एक दिलचस्प जरिया है क्योंकि इससे डाइवर्सिटी मिलती है। सनी ने कहा कि उनकी फिल्में ओटीटी पर आने से आज की जनरेशन के लिए भी रिलेवेंसी बढ़ गई हैं। जाट के बारे में बात करते हुए, सनी ने कहा कि गोपीचंद मालिनेनी के साथ काम करना एक बेहतरीन अनुभव रहा है। उन्होंने कहा, यह मेरी पहली फिल्म है, जो साउथ के डायरेक्टर के साथ है और यह बहुत अच्छा रहा है।

जाट के अलावा सनी देओल लाहौर 1947 में नजर आएंगी। वहीं सनी बॉर्डर 2 में भी नजर आएंगे। बॉर्डर 2 एक वॉर फिल्म होगी, जिसका निर्देशन अनुराग सिन्हा करेंगे और इसका निर्माण भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, जेपी दत्ता और निधि दत्ता करेंगे। यह 1997 की हिट बॉर्डर का सीक्वल है। इस फिल्म में सनी देओल के अलावा वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ, अहान शेट्टी भी महत्वपूर्ण किरदार में नजर आएंगे।

छावा के बाद प्रशांत वर्मा की फिल्म महाकाली में नजर आएंगे अक्षय खन्ना

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय खन्ना एक बार फिर सुर्खियों में हैं। हाल ही में रिलीज हुई फिल्म छावा में औरंगजेब के किरदार से सबका हैरान कर देने के बाद अब वह अपनी अगली बड़ी फिल्म के साथ तैयार हैं। अक्षय ने प्रशांत वर्मा की फिल्म महाकाली साइन की है। यह फिल्म प्रशांत वर्मा सिनेमैटिक यूनिवर्स (पीवीसीयू) की तीसरी कड़ी होगी। फिल्म का निर्देशन पूजा अपर्णा कोल्लुरु कर रही हैं। ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने सोशल मीडिया पर इस खबर की पुष्टि की। उन्होंने लिखा कि अक्षय खन्ना महाकाली में एक अहम भूमिका निभाएंगे। यह फिल्म आरकेडी स्टूडियोज के बैनर तले बन रही है। हनु-मान की शानदार सफलता के बाद अब महाकाली इस यूनिवर्स की अगली सुपरहीरो फिल्म होगी।

- साभार

मोच के चलते स्ट्रेचर पर बाहर गईं, टीम मुश्किल में दिखी तो वापस आईं, दर्द सहते हुए जड़ा शतक

लाहौर, एजेंसी

महिला विश्व कप 2025 के क्वालिफिकेशन मुकाबले खेले जा रहे हैं। इसी टूर्नामेंट में बुधवार को खेले गए मुकाबले में कुछ ऐसा देखने को मिला, जिसने सभी फैंस को भावुक कर दिया। वेस्टइंडीज की कप्तान हेली मैथ्यूज को मैच के बीच में ही मोच आई। वह दर्द से कराहती रहीं। जब उनसे बल्लेबाजी नहीं हुई तो वह स्ट्रेचर पर लेटकर मैदान से बाहर गईं (दो बार रिटायर्ड हर्ट हुईं)। फिर टीम को मुश्किल में देखा तो दर्द के बावजूद वापस क्रीज पर आईं और बल्लेबाजी की। दर्द में रहते हुए उन्होंने बड़े-बड़े शॉट खेले और शतक भी पूरा किया, लेकिन अपनी टीम को जीत नहीं दिला सकीं। इसे देखकर फैंस भावुक तो हुए ही, लेकिन इस बात की सीख भी मिली की कभी हार नहीं मानना चाहिए। इसका वीडियो भी सामने आया है और फैंस हेली की जमकर तारीफ कर रहे हैं। हेली महिला प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस का हिस्सा हैं।

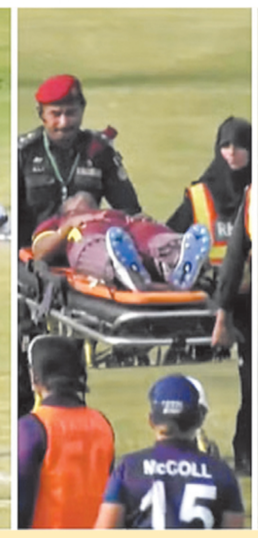

वेस्टइंडीज और स्कॉटलैंड का मुकाबला

दरअसल, महिला विश्व कप 2025 क्वालिफायर में बुधवार को वेस्टइंडीज का सामना स्कॉटलैंड से हुआ। पहले बल्लेबाजी करते हुए स्कॉटलैंड की महिला टीम 45 ओवर में 244 रन पर सिमट गई। विकेटकीपर सारा ब्राइस ने 55 रन और मेगन मैकॉल ने 45 रन की पारी खेली। इस दौरान हेली ने गेंदबाजी करते हुए स्कॉटलैंड के चार विकेट भी झटके थे। उन्होंने 10 ओवर में 56 रन देकर चार विकेट झटके। जवाब में वेस्टइंडीज की टीम को सात पर पहला झटका लगा था। इसके बाद हेली ने जायदा जेम्स के साथ दूसरे विकेट के लिए 113 रन की साझेदारी निभाई। जायदा 45 रन बनाकर आउट हुईं। 120 रन पर वेस्टइंडीज के दो विकेट गिरे थे। इसके बाद एक वक्त यानी 39वें ओवर में वेस्टइंडीज का स्कोर छह विकेट पर 192 रन हो गया था। 39वां ओवर खत्म होते ही हेली मैथ्यूज से रहा नहीं गया और उन्होंने रिटायर्ड हर्ट होने का फैसला लिया।

39वें ओवर में रिटायर्ड हर्ट हुईं हेली मैथ्यूज

39वें ओवर के बाद वेस्टइंडीज का स्कोर छह विकेट पर 194 रन था। हेली 99 गेंद में 95 रन और आलिया एक रन बनाकर क्रीज पर थीं। इतने रन तक पहुंचने में भी हेली को काफी मशक्कत करनी पड़ी थी। उन्हें शुरुआती ओवरों में ही मोच आई थी, लेकिन जैसे तैसे शॉट लगाकर उन्होंने पारी जारी रखी थी। कई बार तो फीजियो मैदान में आए और दर्द से कराह रहीं हेली का इलाज किया। हेली दर्द से कई बार जमीन पर भी ले गईं। 39वें ओवर में उनसे नहीं रहा गया और रिटायर्ड हर्ट हुईं। हेली को स्ट्रेचर पर लिटाकर मैदान से बाहर ले जाया गया। फिर 42वें ओवर की दूसरी गेंद पर जैसे ही वेस्टइंडीज का आठवां विकेट गिरा।

लक्ष्य हासिल किया जा सकता था

रॉयल्स के गेंदबाजी कोच बहुतुल ने बताया कहां हुई गलती

अहमदाबाद(एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स के स्पिन गेंदबाजी कोच साईराज बहुतुले ने कहा कि लक्ष्य हासिल किया जा सकता था लेकिन उनकी टीम अच्छी साझेदारी निभाने में नाकाम रही। साई सुदर्शन (53 गेंदों में 82 रन) के अर्धशतक बदौलत गुजरात ने 217 रन बनाए। इसके बाद गुजरात सभी गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन करके गुजरात टाइटंस को 4 गेंदें रहते 159 पर ढेर करते हुए 58 रन से जीत दर्ज की। गुजरात के तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने 24 रन देकर तीन विकेट लिए तो राशिद खान और साई किशोर ने दो-दो विकेट लेकर राजस्थान को 159 रन पर आउट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बहुतुले ने कहा, 'मुझे लगता है कि लक्ष्य हासिल किया जा सकता था। यह बल्लेबाजी के लिए बहुत अच्छा विकेट था। ईमानदारी से कहूं तो 200 रन बराबरी का स्कोर था। मुझे लगता है कि हमने 20 रन अधिक दिए लेकिन उन्होंने अच्छी बल्लेबाजी की। सुदर्शन में शानदार बल्लेबाजी की और उन्होंने पावर प्ले का अच्छा उपयोग किया। उन्होंने कहा, 'उनके बल्लेबाजों ने हमारी तुलना में अच्छी साझेदारियां निभाई। यही कारण था कि उन्होंने बड़ा स्कोर खड़ा किया लेकिन मेरा मानना है कि अगर हमने अच्छी साझेदारियां निभाई होती तो हम लक्ष्य के काफी करीब पहुंच सकते थे।

अंक तालिका में गुजरात टाइटंस बनी टॉपर

राजस्थान ने सीजन की शुरूआत हैदराबाद से 44 रन तो कोलकाता से 8 विकेट से हार के साथ की थी। लेकिन इसके बाद उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स को 6 रन तो पंजाब किंग्स को 50 रन से हराकर बढ़त बनाई थी लेकिन अब एक और हार के कारण वह अंक तालिका में सातवें स्थान पर आ गई है। उनके बाद मुंबई, चेन्नई और हैदराबाद का नाम है जोकि सीजन में 4-4 मुकाबले गंवा चुके हैं। वहं, गुजरात जायंट्स 5 मैचों में चार जीत के साथ अंक तालिका में टॉप पर आ गई है। गुजरात ने सिर्फ पंजाब से पहला मुकाबला 11 रन से गंवाया था। इसके बाद मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद और अब राजस्थान के खिलाफ उन्होंने जीत हासिल की है। अंक तालिका में दिल्ली कैपिटल्स तीन मैचों में तीन जीत के साथ दूसरे स्थान पर आ गई है।

आज चेन्नई को करना होगा कोलकाता की कड़ी चुनौती का सामना

चेन्नई (एजेंसी)। लगातार हार से बेजार चेन्नई सुपर किंग्स को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपना अभियान पटरी पर लाने के लिए शुक्रवार को यहां होने वाले मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की कड़ी चुनौती से पार पाना होगा। चेन्नई की टीम को अभी तक पांच मैच में से चार में हार का सामना करना पड़ा है और इसलिए यह मैच उसके लिए बेहद महत्वपूर्ण बन गया है। उसे अपने पिछले मैच में पंजाब किंग्स से 18 रन से पराजय का सामना करना पड़ा था।

चेन्नई की टीम अब अपना भाग्य बदलने के उद्देश्य से अपने घरेलू मैदान पर खेलने के लिए उतरेगी। उसे हालांकि अभी तक यहां के विकेट से उतनी मदद नहीं मिली है जैसे कि अतीत में मिला करती थी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ बड़ी हार के बाद चेन्नई के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने पिच को लेकर अपनी नाराजगी खुलकर व्यक्त की थी। चेन्नई की पिछली सफलताओं में उसका घरेलू मैदान पर अच्छा प्रदर्शन का महत्वपूर्ण योगदान रहा है लेकिन अब यहां की पिच काफी बदल गई है और उसके खिलाड़ी इससे सामंजस्य नहीं बिठा पा रहे हैं।

चेन्नई को अगर अपना अभियान पटरी पर लाना है तो उसके खिलाड़ियों को जल्द से जल्द यहां की परिस्थितियों से तालमेल बिठाना होगा। यही नहीं उसके स्पिन गेंदबाजों को सफलता हासिल करने का तरीका ढूंढना होगा। सभी की निगाहें एक बार फिर से महेंद्र सिंह धोनी पर टिकी रहेगी। उन्होंने पंजाब किंग्स के खिलाफ पिछले मैच में 12 गेंद पर 27 रन बनाए थे जिसमें तीन छक्के और एक चौका शामिल है।

चेन्नई की टीम के लिए अच्छी बात यह है कि डेवोन कॉनवे, रचिन रवींद्र और शिवम दुबे जैसे बल्लेबाजों ने लय हासिल करने के संकेत दिए हैं लेकिन कप्तान रुतुराज गायकवाड़ से बड़ी पारी की दरकार है। चेन्नई की गेंदबाजी कमोबेश वैसी ही रहेगी, जिसमें खलील अहमद, मुकेश चौधरी और मथीशा पथिराना तेज गेंदबाजी विभाग संभालेंगे जबकि रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जड़ेजा और नूर अहमद पर स्पिन विभाग की जिम्मेदारी होगी।

जहां तक ??नाइट राइडर्स का सवाल है, वे तीन दिन पहले लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ मिली करीबी हार से उबरने और इससे पहले कि बहुत देर हो जाए, जीत की राह पर लौटने की कोशिश करेंगे। उनके गेंदबाजों को ईडन गार्डन्स में लखनऊ के बल्लेबाजों की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा था। उन्हें यहां अपने प्रदर्शन में सुधार करना होगा।

बल्लेबाजी में नाइट राइडर्स का दारोमदार फिर से क्विंटन डी कॉक, सुनील नारायण, कप्तान अजिंक्य रहाणे, अंगकृष रघुवंशी, आंद्रे रसेल और रिंकू सिंह जैसे खिलाड़ियों पर रहेगा। अगर अंक तालिका में वर्तमान स्थिति का जिक्र करें तो चेन्नई चार हार और एक जीत के बाद नौवें स्थान पर, जबकि केकेआर पांच मैचों में दो जीत और तीन हार के साथ छठे स्थान पर है।

टीमें

कोलकाता नाइट राइडर्स - क्विंटन डी कॉक (विकेटकीपर), सुनील नारायण, अजिंक्य रहाणे (कप्तान), अंगकृष रघुवंशी, वेंकटेश अय्यर, रिंकू सिंह, मनीष पांडे, आंद्रे रसेल, रमनदीप सिंह, हर्षित राणा, स्पेंसर जॉनसन, वरुण चक्रवर्ती, एनरिक नॉर्टजे, वैभव अरोड़ा, अनुकूल रॉय, लवनिथ सिसौदिया, मोइन अली, रोवमैन पॉवेल, मयंक मारकंडे, रहमानुल्लाह गुरबाज और चेतन सकारिया।

चेन्नई सुपर किंग्स - रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), एमएस धोनी, रवींद्र जडेजा, शिवम दुबे, मथीशा पथिराना, नूर अहमद, रविचंद्रन अश्विन, डेवोन कॉनवे, सैयद खलील अहमद, रचिन रवींद्र, राहुल त्रिपाठी, विजय शंकर, सैम कुरेन, शेख राशिद, अंशुल कंबोज, मुकेश चौधरी, दीपक हुडा, गुरजनप्रीत सिंह, नाथन एलिस, जेमी ओवरटन, कमलेश नागरकोटी, रामकृष्णन घोष, श्रेयस। गोपाल, वंश बेदी, आंद्रे सिद्धार्थ।

समय - शाम 7.30 बजे।

गुजरात के गेंदबाजों ने रणनीति पर अच्छी तरह से अमल किया : पार्थिव पटेल

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात टाइटंस के सहायक कोच पार्थिव पटेल ने यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के लिए टीम के गेंदबाजों की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने बल्लेबाजी के लिए अनुकूल विकेट पर अपनी रणनीति पर अच्छी तरह से अमल किया। साई सुदर्शन (53 गेंदों में 82 रन) ने शानदार अर्धशतक लगाया, इसके बाद सभी गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन करके गुजरात टाइटंस को 58 रन से जीत दिलाई। गुजरात के तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने 24 रन देकर तीन विकेट लिए तो राशिद खान और साई किशोर ने दो-दो विकेट लेकर राजस्थान को 159 रन पर आउट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पार्थिव ने मैच के बाद कहा, 'जब आप इस तरह के विकेट पर 50 रन से अधिक के अंतर से जीत हासिल करते हैं तो इसका मतलब होता है कि आपके गेंदबाजों ने रणनीति पर अच्छी तरह से अमल किया। मोहम्मद सिराज ने वास्तव में अच्छी गेंदबाजी की। प्रसिद्ध कृष्णा टूर्नामेंट में शुरू से अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। साई किशोर शायद अभी तक टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ स्पिनर है। हमारे सभी गेंदबाजों ने गेंदबाजी के लिए मुश्किल परिस्थितियों में शानदार प्रदर्शन किया। पार्थिव ने कहा, 'यह देखकर अच्छा लग रहा है कि प्रत्येक मैच में कोई गेंदबाज आगे बढ़कर नेतृत्व कर रहा है। निश्चित तौर पर बल्लेबाजों ने जीत की नींव रखी लेकिन वास्तव में गेंदबाज आपको मैच जिताते हैं। हमारी टीम में किसी को कोई खास भूमिका नहीं सौंपी गई है। एक टीम के रूप में हमारा रवैया बेहद सरल है। हम परिस्थितियों के अनुसार रणनीति तैयार करते हैं।

संजू सैमसन पर लगा 24 लाख रुपए का भारी जुर्माना

अहमदाबाद (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन पर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में यहां गुजरात टाइटंस के खिलाफ खेले गए मैच के दौरान धीमी ओवर गति के कारण 24 लाख रुपए का भारी जुर्माना लगाया गया है। गुजरात टाइटंस ने बुधवार को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला गया यह मैच 58 रन से जीता था। राजस्थान रॉयल्स की टीम 218 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 19.2 ओवर में 159 रन पर आउट हो गई थी।

आईपीएल ने गुरुवार को एक बयान में कहा, 'राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन पर अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गुजरात टाइटंस के खिलाफ खेले गए टाटा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के मैच के दौरान धीमी ओवर गति बनाए रखने के कारण जुर्माना लगाया गया है। बयान के अनुसार, 'यह आईपीएल की आचार संहिता के धीमी ओवर गति से जुड़े अनुच्छेद 2.22 के तहत उनकी टीम का सत्र का दूसरा अपराध था, इसलिए सैमसन पर 24 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। बयान में कहा गया है, 'इम्पैक्ट प्लेयर सहित अंतिम एकादश में शामिल अन्य खिलाड़ियों पर या तो छह लाख रुपये या उनकी संबंधित मैच फीस का 25 प्रतिशत, जो भी कम हो, जुर्माना लगाया गया है। गुजरात टाइटंस की टीम अभी पांच मैचों में चार जीत और एक हार के साथ शीर्ष पर है, जबकि राजस्थान रॉयल्स पांच मैचों में दो जीत और तीन हार के साथ सातवें स्थान पर है।

भारतीय टीम पांच मैचों की सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी, सामने आया पूरा शेड्यूल

नई दिल्ली-भारतीय महिला हॉकी टीम पांच मैचों की सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी। हॉकी इंडिया ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी। यह सीरीज 26 अप्रैल से चार मई तक चलेगी। भारतीय टीम सीरीज की शुरुआत ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ 26 और 27 अप्रैल को होने वाले दो मैचों से करेगा। इसके बाद टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया की सीनियर टीम के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज खेलेगी। सीनियर टीम से मैच एक, तीन और चार मई को खेले जाएंगे। सभी मैच पर्थ हॉकी स्टेडियम में आयोजित किए जाएंगे।

यह दौरा जून में शुरू होने वाले एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के यूरोपीय चरण की तैयारी को देखते हुए काफी महत्वपूर्ण है। नौवें स्थान पर काबिज भारतीय टीम ने एफआईएच प्रो लीग 2023-24 के दौरान अपने आखिरी मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 1-0 से हराया था, लेकिन इन दोनों टीम के बीच 2013 के बाद खेले गए 16 मैचों में से ऑस्ट्रेलिया ने 10 में जीत हासिल की है। भारत ने तीन जीत दर्ज की हैं, जबकि तीन मैच ड्रॉ पर समाप्त हुए हैं।

भारतीय महिला टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने ऑस्ट्रेलिया के दौरे के संदर्भ में कहा, यह दौरा एफआईएच प्रो लीग के यूरोपीय चरण के लिए हमारी तैयारियों को देखते हुए बेहद महत्वपूर्ण है।

गिरगिट है तुम्हारा आराध्य देव, लाइव मैच में भिड़े सिद्धू और रायुडू

मुल्लांपुर। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के हाथों 18 रन से हार का सामना करना पड़ा। इस मैच में धोनी बल्लेबाजी के लिए आए लेकिन 27 रन बनाकर आउट हो गए। वह अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके। अब इस मैच से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू और अंबाती रायुडू के बीच बहस होती दिख रही है। इस दौरान सिद्धू ने कुछ ऐसा कह दिया जिसको अब प्रशंसक धोनी से जोड़ रहे हैं। पंजाब के खिलाफ मैच में धोनी पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए थे।

देश का प्रतिनिधित्व करेंगे काशी के दो खिलाड़ी, पैरा टेबल टेनिस में दिखाएंगे दम

वाराणसी। जॉर्डन की राजधानी अम्मान शहर में आयोजित अंतरराष्ट्रीय पैरा टेबल टेनिस प्रतियोगिता में वाराणसी के दो खिलाड़ी भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। बालिका वर्ग में वाराणसी के सिगरा निवासी प्रियांशी केशरी जबकि पुरुष वर्ग में बीएचयू कृषि विज्ञान संस्थान के छात्र विवेकानंद सिंह खेलेंगे। बालिका वर्ग में प्रियांशी टेनिस में भारत की टॉप सीड खिलाड़ी हैं। काशी हिंदू विश्वविद्यालय परिसर स्थित रूईया मैदान पर बुधवार को टी-10 क्रिकेट खेला गया। आईएमएस प्रीमियर लीग में बुधवार को पहला मुकाबला सुपर स्ट्राइकर बनाम ब्लड बैंक के बीच खेला गया। इसमें सुपर स्ट्राइकर एकादश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 10 ओवर में छह विकेट पर 139 रन बनाए। जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी ब्लड बैंक की पूरी टीम 120 रन पर आउट हो गई।

आयुष सांडिल्य ने 54 मीटर दूर फेंका भाला

काशी हिंदू विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग की ओर से एंफीथियेटर मैदान में एथलेटिक्स कार्यशाला का आयोजन हुआ। प्रशिक्षण के बाद प्रतियोगिता में राष्ट्रीय खिलाड़ी आयुष सांडिल्य 54 मीटर भाला फेंका।शारीरिक शिक्षा विभाग की ओर से एथलेटिक्स कार्यशाल में प्रो. टीम ओनिमा रेड्डी ने खिलाड़ियों को प्रशिक्षण दिया। उन्होंने बताया कि जेवलीन थ्रो में इंजरी की संभावना अधिक होती है। इससे बचने के लिए खिलाड़ियों को समय समय पर नई तकनीक की जानकारी दी जाती है।

यूपी टीम में वाराणसी मंडल के पांच खिलाड़ी

68वीं राष्ट्रीय खो खो प्रतियोगिता के लिए यूपी की टीम घोषित कर दी गई है। बालक वर्ग में वाराणसी मंडल के पांच खिलाड़ियों को जगह मिली है। जिला क्रीड़ा सचिव विनोद सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता में जौनपुर के कमला नेहरू इंटर कॉलेज अकबरपुर के अखिल और मोहम्मद हसन इंटर कॉलेज के हरशेंद्र प्रताप, गाजीपुर के नंद किशोर सिंह इंटर कॉलेज रामपुर के सूरज राजभर, वाराणसी के बच्छांव स्थित महामना मालवीय इंटर कॉलेज के सूर्यभान कन्नोजिया को जगह मिली है।

ओलंपिक में 128 साल बाद क्रिकेट की वापसी; छह टीमें हिस्सा लेंगी

नई दिल्ली, एजेंसी

क्रिकेट 128 साल के अंतराल के बाद 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक में वापसी करेगा। इसको लेकर आयोजकों ने बुधवार को बड़ा एलान किया। लॉस एंजिलिस ओलंपिक के आयोजकों ने इस बहुराष्ट्रीय आयोजन में क्रिकेट के लिए टीमें तय कर दी हैं। महिला और पुरुष दोनों श्रेणी में छह-छह टीमें हिस्सा लेंगी। मैच टी20 प्रारूप में खेले जाएंगे। छह टीमें स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक के लिए टक्कर लेती दिखेंगी।

साल 1900 में क्रिकेट ओलंपिक का हिस्सा था

पिछली बार क्रिकेट साल 1900 में पेरिस ओलंपिक का हिस्सा रहा था। तब ग्रेट ब्रिटेन और फ्रांस के बीच दो दिवसीय मुकाबला खेला गया था। अब इसे अनाधिकारिक टेस्ट के रूप में गिना जाता है। हालांकि, लॉस एंजिलिस ओलंपिक में छह टीमें टी20 प्रारूप में खेलती दिखेंगी। इतना ही नहीं आयोजकों ने एक टीम में अधिकतम खिलाड़ियों की संख्या भी तय की है। आयोजकों ने कहा है कि एक टीम में 15 खिलाड़ी होंगे। पुरुष और महिला दोनों श्रेणियों में अधिकतम 90 खिलाड़ियों का कोटा तय किया गया है। यानी छह टीमों को मिलाकर अधिकतम 90 खिलाड़ी होंगे।

आईसीसी के 12 नियमित सदस्य

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल के फिलहाल 12 नियमित और 94 सहयोगी सदस्य हैं। नियमित सदस्यों में अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, इंग्लैंड, भारत, आयरलैंड, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका, वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे की टीमें हैं। हालांकि, 2028 ओलंपिक के लिए क्वालिफिकेशन प्रक्रिया के बारे में अब तक नहीं बताया गया है। इसमें अमेरिका का खेलना तय माना जा रहा है, क्योंकि उन्हें मेजबान कोटे का फायदा मिलेगा। इसका मतलब होगा कि अमेरिका के अलावा पांच और टीमें हिस्सा ले सकेंगी और उन्हें क्वालिफिकेशन प्रक्रिया से गुजरना होगा।

पांच खेलों को शामिल किया गया

क्रिकेट उन पांच नए खेलों में शामिल है, जिन्हें लॉस एंजिलिस ओलंपिक में जगह दी गई है। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक संघ ने इन पांच खेलों के लॉस एंजिलिस ओलंपिक में शामिल किए जाने की पुष्टि साल 2023 में की थी। क्रिकेट के अलावा इनमें बेसबॉल/सॉफ्टबॉल, फ्लैग फुटबॉल, लैक्रॉस और स्क्वॉश शामिल हैं।

गांधी परिवार और रणथंभौर का रिश्ता फिर हुआ ताज़ा, राहुल ने देखे बाघों के नज़ारे

सवाई माधोपुर। कांग्रेस नेता एंव लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी इन दिनों अपनी निजी यात्रा पर राजस्थान के सवाई माधोपुर स्थित रणथंभौर नेशनल पार्क के दौरे पर हैं। राहुल गांधी ने आज एक बार फिर रणथम्भौर नेशनल पार्क का भ्रमण कर बाघों की अठखेलियां देखी। इस दौरान रणथंभौर के बाघ-बाघिन भी राहुल गांधी पर मेहरबान रहे और उन्हें जमकर बाघों की साइटिंग हुई। रणथंभौर दौरे के दौरान राहुल गांधी ने गुरुवार सुबह व शाम तथा आज शुक्रवार सुबह की पारी में भी रणथंभौर में टाइगर सफारी का लुफ़्त उठाया। उन्होंने तीन बार टाइगर सफारी का आनंद लिया और हर बार उन्हें बाघों के दीदार भी हुए। शुक्रवार सुबह की सफारी से पहले उन्होंने रणथंभौर के मुख्य प्रवेश द्वार पर कांग्रेस कार्यकर्ता छुट्टन मीणा के साथ फोटो भी खिंचवाई।

कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष गिर्राज सिंह गुर्जर ने बताया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी सवाई माधोपुर रणथंभौर अपनी निजी यात्रा के चलते आए हे और वे यहां पांच सितारा होटल शेर बाघ में ठहरे हुए हैं। जिन्होंने कल भी सुबह ओर शाम की पारी में रणथंभोर नेशनल पार्क का भ्रमण कर बाघों के दीदार किए। गिर्राज सिंह गुर्जर ने बताया कि राहुल गांधी ने आज भी सुबह की पारी में रणथंभोर नेशनल पार्क में भ्रमण किया।

राहुल गांधी को गुरुवार सुबह की पारी में जहाँ रणथंभौर के जोन नंबर तीन के गूलर वन क्षेत्र में बाघिन सिद्धी के शावक के दीदार हुए। वहीं गुरुवार शाम की पारी में रणथंभौर के जोन नंबर दो में बाघिन टी 84 एरोहेड व उसके शावकों की अठखेलियां देखी। राहुल गांधी ने शिवराज एनीकट वन क्षेत्र में बाघिन और उसके शावकों को शिकार का लुफ्त उठाता देखा, जिसे उन्होंने अपने कैमरे में भी कैद किया। वहीं आज शुक्रवार सुबह की पारी में भी राहुल गांधी ने रणथम्भौर के जोन नंबर दो और तीन में टाइगर सफारी की। जहां उन्होंने जोन नंबर दो पर रिद्धी व उसके शावक और जोन नंबर तीन में बाघिन टी 84 ऐरोहेड व उसके शावकों के दीदार किए।

गांधी परिवार और रणथंभौर का गहरा नाता : रणथंभौर नेशनल पार्क से गांधी परिवार का पुराना और भावनात्मक जुड़ाव रहा है। राहुल गांधी की बहन और वायनाड सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा अक्सर रणथंभौर आती रहती हैं। उनके साथ उनके पति रॉबर्ट वाड्रा और बच्चे भी रणथंभौर की वाइल्ड लाइफ का लुत्फ उठाते हैं। प्रियंका गांधी भी साल में दो से तीन बार यहां भ्रमण करती हैं।

सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम : राहुल गांधी की इस यात्रा को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। पार्क में उनके भ्रमण के दौरान सुरक्षा के चाक-चौबंद इंतजाम किए गए हैं। जानकारी के अनुसार राहुल गांधी के साथ कुछ विदेशी और देश के करीबी मेहमान भी हैं, जो उनके साथ टाइगर सफारी का अनुभव साझा कर रहे हैं। राहुल गांधी बुधवार को कांग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन के बाद अहमदाबाद से फ्लाइट द्वारा जयपुर पहुंचे थे और वहां से सड़क मार्ग से रात करीब 10 बजे सवाई माधोपुर पहुंचे थे।

दिल्ली एमसीडी चुनाव: 25 अप्रैल को मेयर और डिप्टी मेयर का चुनाव, बीजेपी की स्थिति मजबूत

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम में 25 अप्रैल को मेयर और डिप्टी मेयर का चुनाव होगा। इसके लिए 21 अप्रैल तक नामांकन दाखिल किया जा सकता है। एमसीडी सचिव कार्यालय ने इस संबंध में सूचना जारी कर दी है। इसमें कहा गया है कि 25 अप्रैल को होने वाली एमसीडी सदन की बैठक में अपराह्न 2 बजे मेयर और डिप्टी मेयर का चुनाव होगा।यानि सब कुछ सामान्य रहा तो दिल्ली को इसी माह के आखिर में मेयर और डिप्टी मेयर मिल सकता है। मेयर का चुनाव शुरू होते ही एमसीडी में पूरी संभावना है कि सत्ता परिवर्तन की भी शुरुआत हो जाएगी। मेयर और डिप्टी मेयर पद के लिए चुनाव में वोटों के समीकरण को देखा जाए तो दोनों पदों पर बीजेपी का कब्जा करीब-करीब तय है।

मेयर के चुनाव में निगम पार्षदों के अलावा दिल्ली के विधायक और सांसद भी वोट डालते हैं। पिछले दिनों दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने मेयर चुनाव में भाग लेने वाले विधायकों के नाम की घोषणा की थी। इनमें कुल 14 विधायक के नाम शामिल थे। इसमें से 11 बीजेपी के व तीन विधायक आम आदमी पार्टी के चुने गए थे, जो निगम के सदस्य के तौर पर वह मेयर चुनाव में भी वोट डालने सकते हैं।

मेयर का चुनाव जीतने के लिए इस समय बीजेपी के पास पूर्ण बहुमत है। निगम पार्षदों, सांसदों और विधायकों के वोटो को मिलाकर देखा जाए तो इस समय बीजेपी के 135 और आम आदमी पार्टी के कुल 119 वोट होते हैं। कांग्रेस के भी आठ निगम पार्षद हैं। मेयर चुनाव में हो सकता है कि कांग्रेस पार्टी वोटिंग में हिस्सा ना ले, लेकिन राजनीतिक कारणों से वह आम आदमी पार्टी का समर्थन भी कर देती है। तब भी बीजेपी का पलड़ा ही भारी रहने वाला है। इसलिए इस वर्ष मेयर और डिप्टी मेयर के चुनाव में बीजेपी के सामने किसी तरह की कोई अड़चन दिखाई नहीं दे रही है। एमसीडी में कुल 250 वार्ड हैं।

मेयर और डिप्टी मेयर का चुनाव 21 अप्रैल को ऐलान:

एमसीडी में इस बार पलड़ा भारी होने के बाद भी कौन होगा दिल्ली का मेयर? इस पर अभी पार्टी के नेता खुलकर कुछ नहीं बोल रहे हैं।

नगर निगम में वरीयता के साथ-साथ अनुभव को भी देखा जाए तो बीजेपी के पार्षद राजा इकबाल सिंह, संदीप कपूर, प्रवेश वाही, योगेश अरोड़ा समेत अन्य नाम है, जो मेयर पद के दावेदार माने जा रहे हैं। हालांकि अंतिम फैसला पार्टी के शीर्ष नेता ही करेंगे और पिछले अनुभवों को देखते हुए नामांकन के अंतिम दिन यानी 21 अप्रैल को ही पार्टी नाम का ऐलान करेगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी में 3,880 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली 44 परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज शुक्रवार को वाराणसी के मेहदीगंज में 3,880 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली 44 परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इन परियोजनाओं में सड़क अवसंरचना, बिजली, शिक्षा और पर्यटन के क्षेत्र में विकास शामिल है, जिसका उद्देश्य क्षेत्र के समग्र विकास को बढ़ावा देना है।

पीएम मोदी ने अपने संबोधन में काशी के तेजी से विकास पर डाला प्रकाश

बाद में एक जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने शहर के तेजी से विकास पर प्रकाश डाला और कहा कि काशी अब केवल पुरातनता का प्रतीक नहीं रह गया है, बल्कि प्रगति के मॉडल के रूप में उभरा है। उन्होंने बुनियादी ढांचे के उन्नयन, धार्मिक पर्यटन और बेहतर नागरिक सुविधाओं का हवाला देते हुए परिवर्तन की प्रशंसा की, जिसने प्राचीन शहर को एक आधुनिक शहरी केंद्र में बदल दिया है। प्रधानमंत्री मोदी ने भोजपुरी में कहा कि काशी हमार हौ, हम काशी के हईं। उन्होंने पिछले एक दशक में हुए विकास कार्यों का उल्लेख किया और विपक्ष को कटघरे में खड़ा किया। प्रधानमंत्री ने 70 वर्ष से अधिक आयु के तीन बुजुर्गों को आयुष्मान कार्ड और तीन भौगोलिक संकेत (जीआई) के प्रमाण पत्र भी सौंपे और बनास डेयरी (अमूल) से जुड़े राज्य के डेयरी किसानों को 106 करोड़ रुपये का बोनस भी हस्तांतरित किया।

हम देश के लिए उस विचार को लेकर चलते हैं, जिसका समर्पित भाव है- सबका साथ-सबका विकास

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले जी जैसे त्यागी, तपस्वी, महापुरुषों की प्रेरणा से ही देशसेवा का हमारा मंत्र रहा है- सबका साथ-सबका विकास। हम देश के लिए उस विचार को लेकर चलते हैं, जिसका समर्पित भाव है- सबका साथ-सबका विकास। जो लोग सत्ता हथियाने के लिए दिन-रात खेल खेलते रहते हैं, उनका सिद्धांत है, परिवार का साथ-परिवार का विकास। उन्होंने कहा कि बीते 10 वर्षों में बनारस के विकास ने एक नई गति पकड़ी है। काशी ने आधुनिक समय को साधा है, विरासत को संजोया है और भविष्य को उज्जवल बनाने की दिशा में मजबूत कदम रखे हैं। आज काशी सिर्फ पुरातन नहीं, प्रगतिशील भी है। पीएम मोदी ने कहा कि आज सामाजिक चेतना के प्रतीक महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती भी है। महात्मा ज्योतिबा फुले और सावित्रीबाई फुले जी ने जीवन भर नारी शक्ति के हित, उनके आत्मविश्वास और समाज कल्याण के लिए काम किया। आज हम उनके विचारों को, उनके संकल्पों को, नारी सशक्तिकरण के उनके आंदोलन को आगे बढ़ा रहे हैं, नई ऊर्जा दे रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि कल हनुमान जन्मोत्सव का पावन दिन है और आज मुझे संकटमोचन महाराज की काशी में

आपके दर्शन का सौभाग्य मिला है। हनुमान जन्मोत्सव से पहले काशी की जनता आज विकास का उत्सव मनाने यहां एकत्र हुई है। उन्होंने कहा कि पूर्वांचल के आर्थिक नक्शे के केंद्र में काशी है। काशी के स्वयं महादेव रखवाले हैं।

पूर्वांचल के अनेक हिस्सों में जुड़ी ढेर सारी परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास

पीएम मोदी ने कहा कि पूर्वांचल के अनेक हिस्सों में जुड़ी ढेर सारी परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास हुआ है। कनेक्टिविटी को मजबूती देने वाले अनेक इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट, गांव-गांव, हर घर नल से जल पहुंचने का अभियान, शिक्षा, स्वास्थ्य और खेल सुविधाओं का विस्तार और हर क्षेत्र, हर परिवार, हर युवा को बेहतर सुविधाएं देने का संकल्प। पीएम मोदी ने कहा कि हमने पशुपालकों को किसान क्रेडिट कार्ड की सुविधा दी है, उनके लिए लोन की सीमा बढ़ाई है, सब्सिडी की व्यवस्था की है और खुरपका और मुंहपका (एफएमडी) से पशुधन को बचाने के लिए मुफ्त वैक्सीन प्रोग्राम चलाया जा रहा है। आज भारत, दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश है। 10 साल में, दूध के उत्पादन में करीब 65 प्रतिशत वृद्धि हुई है।

काशी अब आरोग्य की राजधानी भी बन रही है

प्रधानमंत्री ने कहा कि ये सफलता देश के करोड़ों किसानों की है, देश के पशुपालक भाइयों की है। ये सफलता एक दिन में नहीं मिली है, बीते 10 वर्षों से हम देश के पूरे डेयरी सेक्टर को मिशन मोड से आगे बढ़ा रहे हैं। 10-11 साल पहले, पूरे पूर्वांचल में इलाज को लेकर जो परेशानियां थीं, वो भी हम जानते हैं। आज स्थितियां अलग हैं, मेरी काशी अब आरोग्य की राजधानी भी बन रही है। दिल्ली-मुंबई के बड़े-बड़े अस्पताल आज आपके घर के पास आ गए हैं। यही तो विकास है, जहां सुविधाएं लोगों के पास आती हैं।

पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी कुमार चौबे ने नीतीश कुमार को उप प्रधानमंत्री बनाए जाने की मांग की

नई दिल्ली। बिहार के मुख्यमंत्री और जनता दल यूनाइडेट के प्रमुख नीतीश कुमार को उपप्रधानमंत्री यानी डिप्टी पीएम बनाए जाने की मांग की गई है। ये मांग भाजपा के ही वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी कुमार चौबे ने की है। अश्विनी चौबे ने कहा है कि यह उनकी व्यक्तिगत इच्छा है। बता दें कि केंद्र में आने से पहले अश्विनी कुमार चौबे नीतीश कुमार के मंत्रिमंडल में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। आइए जानते हैं कि उन्होंने नीतीश कुमार को लेकर और क्या कुछ कहा है।

एनडीए में नीतीश का उल्लेखनीय योगदान- अश्विनी चौबे

नीतीश को डिप्टी पीएम बनाए जाने की अपनी मांग पर अश्विनी कुमार चौबे ने कहा- "राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में नीतीश कुमार का उल्लेखनीय योगदान है। वह गठबंधन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हाथ मजबूत कर रहे हैं। मेरी व्यक्तिगत इच्छा है कि उन्हें उपप्रधानमंत्री बनाया जाए। यदि यह इच्छा पूरी हुई तो बिहार बाबू जगजीवन राम के बाद अपनी धरती के दूसरे बेटे को इस पद पर आसीन होते देखेगा।"

दरअसल, बिहार में इस साल के आखिर में विधानसभा चुनाव का आयोजन किया जाना है। अटकलें लगाई जा रही हैं कि 74 वर्षीय नीतीश कुमार को सम्मानजनक विदाई की पेशकश की जा सकती है। हालांकि, ये बात साफ कर दी गई है कि एनडीए गठबंधन बिहार में सीएम नीतीश कुमार के ही नेतृत्व में चुनाव लड़ेगा। अश्विनी चौबे की मांग पर जदयू के प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा कि "एनडीए के सभी सहयोगी सीएम नीतीश को आगामी विधानसभा चुनाव के लिए गठबंधन के नेता के रूप में स्वीकार करते हैं।" वहीं, राजद के प्रवक्ता एजाज अहमद ने अश्विनी चौबे पर निशाना साधा और उन्हें भाजपा का स्वयंभू प्रवक्ता कहा। एजाज अहमद ने कहा, "बेशक, भाजपा नीतीश कुमार से छुटकारा पाना चाहती है। लेकिन चौबे को यह समझना चाहिए कि मुख्यमंत्री की कुर्सी पर हमारे नेता तेजस्वी यादव काबिज होंगे। भाजपा के सभी नेता बिहार में सत्ता की सर्वोच्च सीट के बारे में दिवास्वप्न देख सकते हैं।"

पद्म पुरस्कार-2026 के लिए 31 जुलाई तक किए जा सकेंगे नामांकन

नई दिल्ली। देश के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कारों में शामिल पद्म पुरस्कारों के लिए नामांकन की अंतिम तिथि 31 जुलाई है। गणतंत्र दिवस 2026 पर घोषित किए जाने वाले ये पुरस्कार विभिन्न क्षेत्रों में असाधारण उपलब्धियों और विशिष्ट सेवा को मान्यता देते हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान जारी कर कहा कि गणतंत्र दिवस के अवसर पर घोषित किए जाने वाले पद्म पुरस्कार-2026 के लिए ऑनलाइन नामांकन और सिफारिश की प्रक्रिया 15 मार्च से चल रही है। पद्म पुरस्कारों के नामांकन की अंतिम तारीख 31 जुलाई है। पद्म पुरस्कारों के लिए नामांकन व सिफारिशें राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल https://awards.gov.in पर ऑनलाइन प्राप्त की जाएंगी।

देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में शामिल हैं पद्म पुरस्कार

पद्म पुरस्कार, अर्थात पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में शामिल हैं। वर्ष 1954 में स्थापित इन पुरस्कारों की घोषणा प्रतिवर्ष गणतंत्र दिवस के अवसर पर की जाती है। इन पुरस्कारों के अंतर्गत 'उत्कृष्ट कार्य' के लिए सम्मानित किया जाता है।

पद्म पुरस्कारों के पात्र

पद्म पुरस्कार कला, साहित्य एवं शिक्षा, खेल, चिकित्सा, समाज सेवा, विज्ञान एवं इंजीनियरिंग, लोक कार्य, सिविल सेवा, व्यापार एवं उद्योग आदि जैसे सभी क्षेत्रों/विषयों में विशिष्ट और असाधारण उपलब्धियों व सेवा के लिए प्रदान किए जाते हैं। जाति, व्यवसाय, पद या लिंग के भेदभाव के बिना सभी व्यक्ति इन पुरस्कारों के लिए पात्र हैं। चिकित्सकों और वैज्ञानिकों को छोड़कर अन्य सरकारी सेवक, जिनमें सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में काम करने वाले सरकारी सेवक भी शामिल हैं, पद्म पुरस्कारों के पात्र नहीं हैं।

सरकार पद्म पुरस्कारों को पीपल्स पद्म बनाने के लिए प्रतिबद्ध

सरकार पद्म पुरस्कारों को पीपल्स पद्म बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, इसलिए सभी नागरिकों से अनुरोध है कि वे नामांकन व सिफारिशें करें। नागरिक स्वयं को भी नामित कर सकते हैं। महिलाओं, समाज के कमजोर वर्गों, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों, दिव्यांग व्यक्तियों और समाज के लिए निस्वार्थ सेवा कर रहे लोगों में से ऐसे प्रतिभाशाली व्यक्तियों की पहचान करने के ठोस प्रयास किए जा सकते हैं, जिनकी उत्कृष्टता और उपलब्धियां वास्तव में पहचाने जाने योग्य हैं।

नामांकन व सिफारिशों में पोर्टल पर उपलब्ध प्रारूप में निर्दिष्ट सभी प्रासंगिक विवरण शामिल होने चाहिए, जिसमें वर्णनात्मक रूप में एक उद्धरण (अधिकतम 800 शब्द) शामिल होना चाहिए, जिसमें अनुशंसित व्यक्ति की संबंधित क्षेत्र व अनुशासन में विशिष्ट और असाधारण उपलब्धियों व सेवा का स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया हो।

इस संबंध में विस्तृत विवरण गृह मंत्रालय की वेबसाइट (https://mha.gov.in) पर 'पुरस्कार और पदक' शीर्षक के अंतर्गत और पद्म पुरस्कार पोर्टल (https://padmaawards.gov.in) पर उपलब्ध हैं।

महात्मा ज्योतिबा फुले का जीवन समाज सेवा को रहा समर्पित और हर वर्ग को जोड़ा मुख्यधारा से

-पूर्व आरसीए अध्यक्ष वैभव गहलोत व पूर्व आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ ने महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती के कई कार्यक्रमों में की शिरकत

अजमेर। समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फूले की 198वीं जंयती के अवसर पर आज आयोजित कई कार्यकर्मों में पूर्व आरसीए अध्यक्ष वैभव गहलोत व पूर्व आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ ने शिरकत की और महात्मा ज्योतिबा फूले को नमन किया। साथ ही समाज के लोगों को महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती की शुभकामनाएं देते हुए उनके जीवन से प्रेरणा लेकर समाज सेवा करने का आह्वान किया। कार्यक्रमों में माली समाज सहित कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने गहलोत और राठौड़ का साफा बंधवाया और मालाएं पहनाकर गर्मजोशी से स्वागत किया। महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती के आयोजित कार्यक्रमों में मुख्य अतिथि पूर्व आरसीए अध्यक्ष वैभव गहलोत ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले और देश की पहली महिला शिक्षिका व समाज सेविका सावित्री बाई फुले ने अपना पूरा जीवन समाज सेवा में दिया और उन्होंने पिछड़े सहित हर वर्ग को मुख्य धारा में जोड़ने काम किया है। उन्होंने मीडिया से पूछे एक सवाल में कहा कि राज्य में नई सरकार बने करीब सवा साल हो गए, लेकिन अभी तक आरसीए के चुनाव नहीं कराए जा सके। मेरा यहीं कहना है कि आरसीए के चुनाव कराए। प्रदेश के खिलाड़ियों का किसी तरह से अहित नहीं होना चाहिए। इस दौरान पूर्व आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले समाज सेवा के अग्रदूत रहे है। जिन्होंने शिक्षा और समाज सेवा की अलख जगाई है, उनके योगदान को कभी भुला नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले फुले के जीवन से हम सबको प्रेरणा लेने चाहिए। महात्मा ज्योतिबा फुले स्मारक पर पूर्व मंत्री जसराज जयपाल, प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. राजुकमार जयपाल, डेयरी अध्यक्ष रामचंद्र चौधरी, पूर्व विधायक डॉ. गोपाल बाहेती, पूर्व प्रदेश सचिव महेंद्र सिंह रलावता, देहात कांग्रेस अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह राठौड़, नगर निगम नेता प्रतिपक्ष द्रौपदी कोली, पार्षद नोरत गुर्जर, ब्लॉक अध्यक्ष शैलेन्द्र अग्रवाल, पूर्व पार्षद सर्वेश पारीक, पार्षद लक्ष्मी बुंदेल, कमल वर्मा, मंडल अध्यक्ष गणेश चौहान, सुरेश भडाना, हेमराज खारोलिया, ताराचंद गहलोत, विकास चौहान, सुमित मित्तल, मनीष सेन, आरिफ खान, प्रिंस ओबिडाया सहित कई कांग्रेस गणमान्यजन उपस्थित रहे। यहां से रवाना होकर नसीराबाद पहुंचे। नसीराबाद में होटल माखन मिश्री पर आज समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फूले की जयंती मनाई गई। इस जयंती कार्यक्रम में पूर्व

आरसीए अध्यक्ष वैभव गहलोत के साथ पूर्व आरटी डीसी अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़, पूर्व विधायक रामनारायण गुर्जर, पूर्व विधायक महेंद्र गुर्जर, अशोक गुर्जर, योगेश शर्मा, पूर्व यूथ कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गुर्जर, हरदीप सिंह पंवार, अशरफ खान, फरहान खान, देहात अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह राठौड़, पार्षद नोरत गुर्जर, ब्लॉक अध्यक्ष शैलेन्द्र अग्रवाल, सुरेश भड़ाना, कमल वर्मा, आरिफ खान, विकास चौहान सभी ने पुष्पांजलि अर्पित कर महात्मा ज्योतिबा फूले को नमन किया।

इसके बाद ग्राम श्रीनगर के डॉक्टर बीआर आंबेडकर भवन में आज महात्मा ज्योतिबा फुले की 198 वीं जयंती पर डॉक्टर भीमराव अंबेडकर सेवा संस्थान की ओर से आयोजित रक्तदान शिविर में पूर्व आरसीए अध्यक्ष वैभव गहलोत के साथ धर्मेंद्र राठौड़ ने शिरकत की। साथ में पूर्व विधायक महेंद्र गुर्जर, पूर्व विधायक रामनारायण गुर्जर, पार्षद नोरत गुर्जर, ब्लॉक अध्यक्ष शैलेन्द्र अग्रवाल आदि मौजूद रहे। किशनगढ़ में आज फूल मालियान शिक्षण संस्था की ओर से आयोजित महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती समारोह में पूर्व आरसीए अध्यक्ष वैभव गहलोत व पूर्व आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ ने शिरकत की। माली समाज के कैलाश भाटी, जस्साराम, नन्द लाल सैनी, रामलाल, रमेश, राकेश गहलोत, रामधन माली , व राजेंद्र महावर आदि समाज के प्रबुद्ध लोगों ने 51 किलो की माला पहनाकर हार्दिक स्वागत किया। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत, विधायक विकास चौधरी, पार्षद नोरत गुर्जर, ब्लॉक अध्यक्ष शैलेन्द्र अग्रवाल, विश्राम चौधरी, सम्राट ऊंटडा आदि उपस्थित रहे।

भारत और इटली के बीच विज्ञान, तकनीक और शोध में बड़ा समझौता, द्विपक्षीय संबंधों को मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने आज शुक्रवार को इटली की यूनिवर्सिटी और रिसर्च मंत्री अन्ना मारिया बर्निनी से नई दिल्ली में मुलाकात की। इस दौरान दोनों मंत्रियों ने विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में मिलकर काम करने के लिए एक अहम समझौते (MoU) पर हस्ताक्षर किए। इसके तहत दोनों देश मिलकर क्वांटम टेक्नोलॉजी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI), बायोटेक्नोलॉजी और नई उभरती तकनीकों पर काम करेंगे। डॉ. जितेंद्र सिंह ने बताया कि यह सहयोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और इटली की प्रधानमंत्री मेलोनी की G20 बैठक में हुई बातचीत का नतीजा है। इस समझौते के तहत 2025 से 2027 तक 10 साझा शोध परियोजनाएं और 10 नई खोज की पहलें शुरू होंगी। वहीं अब तक दोनों देशों ने 150 से ज्यादा रिसर्च प्रोजेक्ट्स मिलकर पूरे किए हैं। भारत की वैज्ञानिक प्रगति पर बात करते हुए डॉ. सिंह ने डीएनए आधारित कोविड वैक्सीन, एचपीवी वैक्सीन, और पहली जीन थेरेपी ट्रायल की जानकारी दी। उन्होंने स्टार्टअप्स, कृषि नवाचार जैसे सुगंध मिशन, सॉयल हेल्थ कार्ड और TKDL जैसे प्रयासों की भी सराहना की।

डीप ओशन मिशन : भारत की 6000 मीटर गहराई तक समुद्र में जाने की तैयारी

डॉ. सिंह ने भारत के डीप ओशन मिशन की जानकारी भी दी, जिसमें भारत 6000 मीटर गहराई तक समुद्र में जाने की तैयारी कर रहा है। दोनों देशों ने आगे और क्षेत्रों जैसे ग्रीन हाइड्रोजन, नीली अर्थव्यवस्था, सांस्कृतिक धरोहर संरक्षण और क्लीन एनर्जी में मिलकर काम करने का संकल्प लिया।

राजभवन में महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती मनाई गई - राज्यपाल

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राजभवन में शुक्रवार को महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती मनाई गई। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने इस दौरान महात्मा ज्योतिबा फुले की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके द्वारा समाज को दिए महान अवदान का स्मरण किया।

राज्यपाल ने राजभवन में आयोजित अनौपचारिक समारोह में कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती का दिन हमें उनके आदर्श जीवन से प्रेरणा देता हैं। उन्होंने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले ने अपने समय की रूढ़ियों से ही मुक्ति नहीं दिलाई बल्कि शिक्षा के जरिए मानव जीवन में उजियारा किया। महात्मा फुले महान समाजसेवी, शिक्षाविद, लेखक और विचारक थे। ऐसे दौर में जब समाज जाति और लैंगिक भेदभाव से जूझ रहा था, तब महात्मा ज्योतिबा फुले ने सामाजिक न्याय, शिक्षा और मानवता के भले के लिए महती काम किया।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,